https://www.facebook.com/jantaunion

जनता यूनियन

झाँसी
गुरुवार, 4 सितम्बर 2025
वर्ष 17 अंक 356
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00
www.epaperjantaunion.com

अधिकतम : 32° से.
न्यूनतम : 26° से.

jantaunion@gmail.com

बहुत प्यारा लगा बच्चा...- 3 | मेला जलविहार समिति ने किया श्री गणेश...- 8

सार संक्षेप

जम्मू कश्मीर: माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भूस्खलन, कोई हताहत नहीं

रियासी (जीएनएस)। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर बुधवार को भूस्खलन हुआ जिसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तीर्थयात्रा पहले से ही स्थगित है।

भारी वर्षा और भूस्खलन के खतरे के मद्देनजर एहतियाती उपाय के तौर पर अधिकारियों के आवास भी खाली करा दिए गए हैं। भूस्खलन मार्ग के सम्मार पॉइंट पर हुआ, जिससे मंदिर जाने वाला रास्ता अवरुद्ध हो गया।

हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है, क्योंकि वहां कोई तीर्थयात्री नहीं था। मलबा हटाने के प्रयास जारी हैं। बुधवार को नौवें दिन भी तीर्थयात्रा स्थगित रही, जिससे श्रद्धालुओं के नहीं होने के कारण कटरा आधार शिविर सूना रहा।

200 करोड़ घोटाले: लीना पॉलोज को सुप्रीम कोर्ट से झटका, जमानत पर सुनवाई टली

नई दिल्ली (जीएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी लीना पॉलोज़ द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। लीना पॉलोज़ ने 200 करोड़ रुपये की जबरन वसूली के एक मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय में अपनी ज़मानत याचिका पर शीघ्र सुनवाई की मांग की थी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने यह भी कहा कि मामलों की शीघ्र सुनवाई के लिए सर्वोच्च न्यायालय का रुख करना स्वीकार्य नहीं है। पीठ ने कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है। सिर्फ़ सर्वोच्च न्यायालय के निकट होने के कारण, हर कोई यहाँ आता है और फिर स्थगन की मांग करता है।

उत्तराखंड में कानून व्यवस्था पर धामी का बड़ा फैसला: उपद्रवियों पर होगी सख्त कार्रवाई

देहरादून (जीएनएस)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की और राज्य की कानून-व्यवस्था, सड़कों की स्थिति, सेवा पखवाड़ा और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि जनता के लिए सुचारू, सुरक्षित और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राज्य में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

पुष्कर सिंह धामी ने कहा सभी संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों से नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। राज्य की सीमाओं पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जाए। पुलिस द्वारा रात्रि गश्त को और प्रभावी बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून के बाद सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। बरसात के बाद सड़कों के सुधार और गड्ढामुक्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया अभी पूरी कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस अवसर पर सभी जिलों में सेवा, जनजागरूकता एवं जनहित से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

पाकिस्तान समेत 3 देशों से आए हिंदू, सिख भारत में बगैर पासपोर्ट रह सकेंगे

नई दिल्ली (जीएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक आदेश में कहा कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्य - हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई - जो धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए 31 दिसंबर, 2024 तक भारत आए हैं, उन्हें पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेजों के बिना देश में रहने की अनुमति दी जाएगी। यह आदेश हाल ही में पारित आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 के संबंध में मंत्रालय द्वारा जारी किए गए कई आदेशों में से एक है, जो सोमवार से प्रभावी हो गया। यह इन तीन देशों के अल्पसंख्यकों के लिए राहत की बात है क्योंकि पिछले साल लागू हुआ नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) केवल उन लोगों पर लागू होता था जो 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत आए थे और नागरिकता प्राप्त करने के पात्र थे।

निस्संदेह, आव्रजन और विदेशी अधिनियम से संबंधित नवीनतम आदेश दिसंबर 2024 तक आने वालों को बिना पासपोर्ट के रहने की 000000की बात होगी, जो 2014 के बाद भारत आए थे और अपने भविष्य को लेकर चिंतित थे। अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित लोग - हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई - जो धार्मिक उत्पीड़न के कारण या धार्मिक उत्पीड़न के डर से भारत में शरण लेने के लिए मजबूर हुए और 31 दिसंबर, 2024 को या उससे पहले वैध दस्तावेजों के बिना या समाप्त हो चुके दस्तावेजों के साथ देश में प्रवेश कर गए, वे इस आदेश के दायरे में आएंगे। नेपाल और भूटान के नागरिकों के साथ-साथ इन दोनों पड़ोसी देशों से ज़मीन या हवाई मार्ग से भारत में प्रवेश करने वाले भारतीयों को पहले की तरह पासपोर्ट या वीज़ा प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी।

रूस पर दबाव बनाने के लिए यूरोप ने टैरिफ नहीं प्रतिबंधों को चुना, जर्मन मंत्री ने भारत की धरती से अमेरिका को दिया संदेश

जर्मनी (जीएनएस)। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने बुधवार को इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन में रूस के युद्ध के प्रति यूरोप की प्रतिक्रिया टैरिफ के बजाय प्रतिबंधों पर केंद्रित रही है, उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य मास्को को वार्ता की मेज पर लाना है। वाडेफुल ने नई दिल्ली में कहा कि हमने टैरिफ का इस्तेमाल नहीं किया है, लेकिन हमने रूस पर प्रतिबंधों का इस्तेमाल किया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि रूस, जिसे अपने युद्ध के लिए धन जुटाना है, ऐसा कम कर पाए। वाडेफुल दो दिवसीय आधिकारिक भारत यात्रा पर हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि बर्लिन और व्यापक यूरोपीय संघ राष्ट्रपति पुतिन को बातचीत की मेज़ पर लाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहते हैं और कहा कि कीव पहले ही बातचीत के लिए तैयार हो चुका है। उन्होंने कहा कि मांग बस इतनी है कि हथियार शांत हो जाएँ। इससे ज़्यादा कुछ नहीं। और मुझे लगता है कि यह एक उचित पूर्व शर्त है वेडफुल ने कहा कि हम शुरू से ही ऐसी नीति पर चल रहे हैं जिसका उद्देश्य रूस और यूक्रेन को बातचीत के रास्ते पर ले जाना है। हालाँकि, हाल ही में हमने देखा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा किए गए अथक प्रयासों के बावजूद, रूस बातचीत की मेज पर बैठने को तैयार नहीं है, जबकि यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने बातचीत करने और बातचीत की मेज पर बैठने के लिए अपनी तत्काल तत्परता व्यक्त की है।

अमेरिका-यूरोप के दबाव के बीच भारत ने निकाला 'बीच का रास्ता, जयशंकर बोले- किसी भी प्रकार के दबाव को स्वीकार नहीं करेंगे

वाशिंगटन (जीएनएस)। अमेरिका और यूरोप का दबाव बढ़ रहा है कि भारत रूस से दूरी बनाए और यूक्रेन संघर्ष पर पश्चिमी रुख का समर्थन करे। दूसरी ओर, रूस भारत का दशकों पुराना मित्र और ऊर्जा साझेदार है, जिससे भारत अपनी ऊर्जा ज़रूरतों का बड़ा हिस्सा पूरा करता है। ऐसे में भारत के सामने एक कठिन संतुलन साधने की चुनौती है। देखा जाये तो भारत की विदेश नीति की असली ताक़त यह है कि वह सीधे टकराव से बचते हुए अपने हितों की रक्षा करता है। यही कारण है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर बार-बार इस बात पर जोर देते हैं कि भारत किसी भी संघर्ष का हिस्सा नहीं बनेगा और संवाद व कूटनीति ही समाधान का रास्ता है। प्रधानमंत्री मोदी भी राष्ट्रपति पुतिन से लेकर पश्चिमी नेताओं तक, सबको यही संदेश देते आए हैं कि युद्ध का समय नहीं है। देखा जाये तो भारत का यह संतुलन दोहरी कूटनीति नहीं बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता है। यही बीच का रास्ता भारत को न केवल अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम बनाता है बल्कि उसे एक संभावित वैश्विक मध्यस्थ के रूप में भी स्थापित करता है

आज की दुनिया में जहां महाशक्तियाँ अपने-अपने खेमों में बंटी हुई हैं, वहाँ भारत का यह संतुलित रुख ही उसकी सबसे बड़ी पूँजी है। आने वाले समय में यही नीति भारत को विश्व राजनीति में और मज़बूत स्थान दिलाएगी। इसी बीच, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक बार फिर दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपनी विदेश नीति में किसी भी प्रकार के दबाव को स्वीकार करने वाला देश नहीं है।

मुख्यमंत्री ने गयाजी में पितृपक्ष मेला महासंगम-2025 की तैयारियों की समीक्षा की, अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

पटना (जीएनएस)। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने गयाजी के विष्णुपद मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने फल्गू नदी के किनारे पितृपक्ष मेला महासंगम-2025 की तैयारियों को लेकर घाटों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री गयाजी समाहरणालय पहुंचे और समाहरणालय सभागार में पितृपक्ष मेला महासंगम-2025 की तैयारियों से संबंधित समीक्षा बैठक की

समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पितृपक्ष मेला महासंगम-2025 की तैयारियों को लेकर विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान पितृपक्ष मेला पर आधारित एक लघु फिल्म प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि इस वर्ष पितृपक्ष मेला महासंगम का आयोजन 06 सितंबर, 2025 से 21 सितंबर, 2025 तक निर्धारित है। सभी महत्वपूर्ण वेदियों एवं घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए अच्छी और सभी प्रकार की व्यवस्था की गयी है। कार्य समितियों का गठन कर पदाधिकारियों को बेहतर व्यवस्था के संचालन की जिम्मेवारी दी गयी है।

योगी का विकसित भारत मंत्र: युवा शक्ति बनाएगी देश को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

लखनऊ (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है और अगले दो वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है, जबकि वर्तमान में यह चौथे स्थान पर है। मुख्यमंत्री आईआईटी कानपुर में समन्वय के माध्यम से उद्योग-अकादमिक संपर्क कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और स्थिरता पर विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएँगे और उन सभी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, जिन्हें लेकर आज आम नागरिक समाज, देश और दुनिया चिंतित है और उनका लाभ उठाकर आगे बढ़ना चाहता है।

भारत की ऐतिहासिक आर्थिक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान 25त्न था। एक सदी बाद, भारत दूसरे नंबर पर पहुँच गया, जबकि चीन शीर्ष पर रहा; हालाँकि, पिछले 150-200 वर्षों में, एक महत्वपूर्ण घटना घटी जिसके कारण भारत की रैंकिंग में लगातार गिरावट आई। 1947 तक, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान केवल 2 प्रतिशत रह गया। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं और अब यह विश्व स्तर पर सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा है। उन्होंने आगे कहा कि आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और अगले दो वर्षों में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएँगे।

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का बड़ा फैसला: पुणे-लोनावाला रेल लाइन के लिए ₹2550 करोड़ की वित्तीय मंजूरी

मुँबई (जीएनएस)। महाराष्ट्र राज्य मंत्रिमंडल ने महत्वपूर्ण पुणे-लोनावाला उपनगरीय रेलवे तीसरी और चौथी लाइन परियोजना में राज्य सरकार की वित्तीय भागीदारी को मंजूरी दे दी है। उपमुख्यमंत्री और पुणे जिले के संरक्षक मंत्री, अजित पवार के प्रयासों से यह लंबे समय से लंबित मुद्दा आखिरकार सुलझ गया है। मुंबई रेलवे विकास निगम (एमआरवीसी) द्वारा प्रस्तुत इस परियोजना की कुल लागत लगभग 5,100 करोड़ रुपये है, जिसमें भूमि अधिग्रहण व्यय भी शामिल है। वित्तीय ज़िम्मेदारी केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच 50:50 के अनुपात में समान रूप से साझा की जाएगी। महाराष्ट्र का हिस्सा 2,550 करोड़ रुपये है। इस 2,550 करोड़ रुपये में से स्थानीय निकायों का योगदान इस प्रकार आवंटित किया गया है: पुणे नगर निगम (20%) - 510 करोड़ रुपये, पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम (20%)- 510 करोड़ रुपये, और पीएमआरडीए (30%) - 765 करोड़ रुपये। शेष राशि राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी।

पंजाब में बाढ़ का भयावह रूप! 30 मौतें, 1400 गांव जलमग्न, लाखों लोग बेघर हुए, स्कूल-कॉलेज 7 सितंबर तक बंद

चण्डीगढ (जीएनएस)। पंजाब में भारी बारिश जारी है। भाखड़ा सहित विभिन्न बांधों से नियंत्रित मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद राज्य में बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई है। बाढ़ में कम से कम 30 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि पाँच लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 1,400 गाँव जलमग्न हो गए हैं। आधिकारिक आँकड़े बताते हैं कि बाढ़ ने पंजाब के 23 जिलों को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे 1,400 से ज़्यादा गाँव और 3,50,000 से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य के बारह ज़िले बुरी तरह प्रभावित हैं। सबसे ज़्यादा प्रभावित ज़िलों में पठानकोट, गुरदासपुर, अमृतसर और फिरोज़पुर शामिल हैं। गौरतलब है कि पंजाब चार दशकों में सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है।

पंजाब सरकार ने बुधवार को राज्य में बाढ़ की मौजूदा स्थिति के मद्देनजर सभी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को सात सितंबर तक बंद रखने की घोषणा की। इस संबंध में पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने घोषणा की। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार, बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, पंजाब भर के सभी सरकारी/सहायता प्राप्त/मान्यता प्राप्त और निजी स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय तथा पॉलिटेक्निक सात सितंबर, 2025 तक बंद रहेंगे।'' बैंस ने कहा, ''सभी से स्थानीय प्रशासन के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने का अनुरोध है।'' इससे पहले, सरकार ने तीन सितंबर तक सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टियां घोषित कर दी थीं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद सतलुज, व्यास और रावी नदियों और मौसमी नालों में उफान के कारण पंजाब में भारी बाढ़ आ गई है। पंजाब में बारिश ने राज्य में बाढ़ की स्थिति और भी बदतर कर दी है। पूरा पंजाब वर्षा जनित घटनाओं से प्रभावित है जिनमें 30 लोगों की जान चली गई है और 3.50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में अचानक बाढ़ आने से चार लोगों की मौत, तीन लापता

बलरामपुर (जीएनएस)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में एक छोटे बांध का एक हिस्सा टूट जाने से अचानक आयी बाढ़ के चलते चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लापता हो गए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में तीन अन्य घायल भी हुए हैं

बलरामपुर के जिलाधिकारी राजेंद्र कटारा ने बताया कि क्षेत्र में भारी बारिश के बाद धनेशपुर गांव में स्थित लुटी (सतबाहिनी) बांध में मंगलवार देर रात दरार आ गयी। अधिकारियों ने बताया कि 1980 के दशक के प्रारंभ में निर्मित इस जलाशय में आई दरार के जरिये निकला पानी आसपास के घरों और खेतों में घुस गया। यहां अचानक बाढ़ आ गई।

जिलाधिकारी ने बताया, ''एक महिला और उसकी सास समेत चार लोगों की उस समय मौत हो गई जब वे अपने घरों में सो रहे थे। तीन लोग अब भी लापता हैं और तलाश अभियान जारी है।'' उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई।

एक से बढ़कर एक हथियारों से भारत को लैस करने की तैयारी में पुतिन

एस-400 क्या, एसयू-57 भी ले लो, भेजी स्पेशल टीम

नई दिल्ली (जीएनएस)। हाल ही में हुए एससीओ समिट ने एशिया की राजनीति और वैश्विक समीकरण को हिलाकर रख दिया। जब दुनिया की नजरें चीन और भारत की तनातनी पर टिकी थीं। तभी अचानक रूस ने ऐसा दांव खेला, जिसने सभी को चौंका दिया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत को संभावित ऑफर दिया। एसयू-57 फिफ्थ जेनरेशन फाइटर जेट और इसके लिए रूस भारत में इन विमानों के निर्माण के लिए निवेश भी करेगा। ये सिर्फ एक सौदा नहीं बल्कि भारत रूस रक्षा साझेदारी का नया अध्याय है, जो सीधे अमेरिका के एफ 35 प्रोग्राम को चुनौती देता है। दरअसल, भारत और रूस की दोस्ती की नींव ही रक्षा सहयोग पर टिकी रही है। 1960 में भारत ने मिग 21 खरीदा और यहीं से साझेदारी की शुरूआत हुई। 1980 में मिग 29 और एसयू 27 के अपग्रेड वर्जन ने भारतीय वायुसेना को ताकत दी। 2000 में ब्रह्मोस मिसाइल प्रोजेक्ट शुरू हुआ। ये भारत रूस का सबसे सफल रक्षा उदाहरण बन गया। फिर भारत ने रूस से एस 400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदा।

इसी भरोसे का नतीजा है कि रूस अब भारत में एसयू57 के निर्माण के लिए निवेश की स्टडी कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ भारत और रूस नई दिल्ली को रूसी एस-400 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों की अतिरिक्त आपूर्ति के लिए बातचीत कर रहे हैं, यह जानकारी टीएएसएस ने एक वरिष्ठ रूसी रक्षा निर्यात अधिकारी के हवाले से दी। रूस की संघीय सैन्य-तकनीकी सहयोग सेवा के प्रमुख दिमित्री शुगायेव ने कहा कि भारत के पास पहले से ही हमारी एस-400 प्रणाली है। उन्होंने आगे कहा, इस क्षेत्र में भी हमारे सहयोग का विस्तार करने की संभावना है। इसका मतलब है कि नई आपूर्तियाँ भी होंगी। फिलहाल, हम बातचीत के चरण में हैं।

60 साल के राजनयिक संबंध: दिल्ली में सिंगापुर पीएम वोंग, नड्डा संग भविष्य की साझेदारी पर मंथन

नई दिल्ली (जीएनएस)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से नई दिल्ली में मुलाकात की। वोंग अपनी आधिकारिक भारत यात्रा के दौरान भारत आए थे। सिंगापुर के प्रधानमंत्री मंगलवार को तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुँचे, जहाँ उनका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करने का कार्यक्रम है। इससे पहले, वोंग ने अपनी पत्नी लू त्से लुई के साथ राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। वांग ने केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ चर्चा की, जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि चर्चा व्यापार और निवेश, वित्तीय प्रौद्योगिकी, कौशल विकास, स्थिरता, स्वास्थ्य सेवा और कनेक्टिविटी सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित रही।

दोनों पक्षों ने सहयोग को और गहरा करने की दृढ़ प्रतिबद्धता भी व्यक्त की, जो भारत और सिंगापुर के राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक महत्वपूर्ण क्षण है। इस बैठक में सिंगापुर के कार्यवाहक परिवहन मंत्री और वरिष्ठ वित्त राज्य मंत्री जेफरी सियो और विदेश तथा व्यापार एवं उद्योग राज्य मंत्री गान सियो हुआंग भी शामिल हुए। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले महीने संपन्न भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के तीसरे दौर के परिणामों पर चर्चा हुई।

ब्रज में बांके बिहारी व द्वारिकाधीश के चरण छूने को आतुर यमुना

■ मथुरा के प्रयागघाट पर दर्ज किया 166.40 मीटर जल स्तर ■ राहत शिविरों की डीएम ने देखी व्यवस्थाएं

मथुरा। यमुना की बाढ़ में फंसे वृदावन परिक्रमा मार्ग में विकलांग साधु को हटाने के लिए समझाते जिलाधिकारी चद्र प्रकाश सिंह।

मथुरा। वृदावन में यमुना जी बाढ़ का आंकलन करते जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह।

जनता यूनियन मथुरा । यमुना जी बांके बिहारी व द्वारिकाधीश के चरण छूने को ब्रज में आतुर दिखाई दे रही है। वहीं बुधवार को जिले के कई क्षेत्रों में यमुना जी का जल स्तर बीती रात से स्थिर है। आज दोपहर 3 बजे तक यमुना जी का जल स्तर 166.40 मीटर चल रहा है। इसके बावजूद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हाल बेहाल है। जिससे जनपद वासियों में हड़कप मचा हुआ है। जिला प्रशासन ने अन्य क्षेत्रों के निवासियों को अपने घरों को खाली करके सुरक्षित स्थानों पर या फिर सरकारी राहत शिविरों में चले जाने का आवाह्न किया है।

सिंचाई विभाग के कंट्रोल रूम के अनुसार आज दोपहर तीन बजे यमुना जी के प्रयागघाट पर जल स्तर 166.40 मीटर दर्ज किया गया। जबकि मथुरा के गोकुल बैराज से आगरा की तरफ 106166 क्यूसेक पानी लगातार छोड़ा जा रहा है। गोकुल बैराज पर अप में यमुना का जल स्तर 166.05 मीटर, डाउन में 165.00 मीटर दर्ज किया गया। जबकि बुधवार की दोपर तीन बजे ओखला बैराज से 200968 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है। जबकि ताजेवाला से 162779 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया गया।

यमुना का पानी में आज देर रात्रि में और वृद्धि होने की संभावना है। ताजेवाला से छोड़ा गया 3.20 लाख क्यूसेक पानी आज देर रात्रि तक मथुरा की सीमा में दस्तक दे सकता है। इसका असर सबसे पहले शेरगढ़, नौहझील, सुरीर के खादर इलाकों में दिखाई देगा। इन इलाकों की शेष बची आबादी क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले सकता है।यमुना नदी का बढ़ता जलस्तर वृंदावनवासियों और श्रद्धालुओं के लिए खतरे का संकेत बनता जा रहा है। ताजेवाला बैराज से छोड़े गए पानी के चलते यमुना का प्रवाह विकराल रूप ले चुका है।

यमुना इन दिनों अपने विकराल रूप में है। उसका रौद्र रूप देखकर जहां एक ओर क्षेत्रीय लोग परेशान हैं, तो वहीं दूसरी ओर प्रशासन पूरी सतर्कता बरते हुए है। वृंदावन में यमुना का पानी अब तक निचली कॉलोनियों में उफन रहा था, लेकिन अब तक मथुरा वृंदावन की दो दर्जन कॉलोनियों तक पहुंच गया है। दूसरी ओर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, एडीएम वित्त पंकज वर्मा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने लक्ष्मीनगर, जयसिंह पुरा के बिरला मंदिर राहत शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान इन शिविरों में रह रहे लोगों को कैसा खाना दिया जा रहा है उसको परखा।

ब्रज तीर्थ विकास परिषद और धर्मार्थ विभाग की 220 करोड़ की कार्य योजना पर जनप्रतिनिधियों की मुहर

■ धार्मिक एवं पौराणिक स्थलों के संरक्षण व विकास संबंधी प्रस्तावों को किया शामिल

■ ब्रज तीर्थ विकास परिषद करायेगी 120 करोड़ के कार्य

मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सभागार में आयोजित ब्रज तीर्थ विकास परिषद और धर्मार्थ विभाग के ब्रज के विकास की कार्य योजनाओं पर मंथन करते प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मीनारायण सिंह, परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्रा, विधायक राजेश चौधरी, विधायक मेघश्याम सिंह, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह व परिषद के सीईओ श्याम बहादुर सिंह।

जनता यूनियन मथुरा । उत्तर प्रदेश तीर्थ विकास परिषद और धर्मार्थ विभाग के अंतर्गत 2025-26 ही प्रस्तावित कार्य योजना को सहमति दे दी है। गन्ना विकास और चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में 220 करोड़ के कार्यों पर विचार किया गया है। इसमें ब्रज तीर्थ विकास परिषद के 120 करोड़ के कार्य शामिल हैं।

बुधवार को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद सभागार में ब्रज क्षेत्र के समेकित विकास के अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श के लिए जनप्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा जनपद मथुरा के अन्तर्गत ब्रज के धार्मिक एवं पौराणिक स्थलों के विकास से जुड़े 120 करोड़ रुपये के प्रस्ताव वर्ष 2025-26 की कार्य योजना के रूप में प्रस्तुत किए। कैबिनेट मंत्री की अध्यक्षता वाली इस बैठक में गोवर्धन विधायक मेघ श्याम सिंह, मांट विधायक राजेश चौधरी, एमएलसी ठाकुर ओम प्रकाश सिंह ने क्षेत्रीय आवश्यकता के अनुसार कुछ संशोधन का प्रस्ताव रखा। इस पर उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने उन्हें सहज स्वीकारते हुए बैठक में सुझाए प्रस्तावों को लिखित रूप में देने का आग्रह जनप्रतिनिधियों से किया।

उक्त कार्य योजना के अंतर्गत जिलाधिकारी सीपी सिंह और ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने जनप्रतिनिधियों के समक्ष ब्रज तीर्थ विकास परिषद और धर्मार्थ विभाग द्वारा प्रस्तावित कार्यों की उपयोगिता बताई।

इस दौरान गन्ना विकास और चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने बताया कि बैठक में ब्रज विकास से जुड़े 220 करोड़ रुपये के कार्यों पर सहमति व्यक्त की है। इसमें 120 करोड़ के कार्य उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अंतर्गत होंगे, जबकि 100 करोड़ रुपये के कार्य धर्मार्थ विभाग के तहत प्रस्तावित किए गए है। प्रस्तावित कार्य योजना को जल्द शासन की अनुमति के लिए भेजा जाएगा। सीईओ श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि कार्य योजना में गोवर्धन और कोकिलावन में 45 करोड़ से टीएफसी, मथुरा वृंदावन परिक्रमा में फसाड़ लाइट 24 करोड़,36 प्राचीन वनों का इको रेस्टोरेशन 12 करोड़, अक्रूर घाट का निर्माण 8 करोड़, चीर घाट पड़ाव स्थल का विकास सात करोड़, खेंचा दाऊजी मंदिर क्षेत्र का विकास आदि कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। इसी तरह धर्मार्थ विभाग से नारायण सरोवर का विकास, नंदगाँव मंदिर परिक्रमा का विकास, वन खंडी महादेव मंदिर क्षेत्र का विकास, अश्वथामा वन की परिक्रमा, वंशी वट तरौली में स्वामी बाबा मंदिर का सौंदर्यीकरण व विकास, मधुरीकुंड का विकास, कोटवन में सीतल कुंड का विकास, नरी सेवरी मंदिर का विकास और एप्रोच रोड का विकास सहित अन्य कई कार्य प्रस्तावित हैं।

बैठक में पर्यावरण विशेषज्ञ मुकेश शर्मा,अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी मदन चंद्र दुबे, उप मुख्य कार्यपालक सतीश चंद्र आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

सप्तम श्रीराधारानी जन्मोत्सव दिव्य भजनांजलि व बधाई गायन का आयोजन

जनता यूनियन मथुरा । गोवर्धन क्षेत्र के गांव पैंठा में श्रीजानकी बल्लभ मंदिर में भव्य फूलबंगला के बीच सप्तम श्रीराधारानी जन्मोत्सव दिव्य भजनांजलि व बधाई गायन कार्यक्रम का आयोजन सायं छह से हरि इच्छा तक किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने श्रीराधा कृष्ण की चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पमाला अर्पित करके कार्यक्रम शुभारंभ किया तथा म्यूजिशियन ग्रुप शेरा ग्रुप मथुरा द्वारा भक्ति रस की धारा में श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। जिपंअ ने कहा ऐसे आयोजनों से धार्मिक भावनाओं को तो बल मिलता है, बल्कि सामाजिक समरसता का उदाहरण भी देखने के मिलता है। राजस्थान से आए सुविख्यात रसिक जन राकेश शर्मा ने राधारानीजी के भजनों पर श्रद्धालुओं को नृत्य करने पर मजबूर कर दिया। इस भजन संध्या में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जिससे वातावरण भक्ति और उल्लास से सराबोर हो गया। श्री राधा रानी के मधुर भजनों एवं जन्मोत्सव बधाई गीत के साथ-साथ दिव्य झांकियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष का पटुका पहनाकर ऐंठा कदम पैंठा सेवा समिति गोवर्धन के अध्यक्ष पं. सुरेश चंद शास्त्री सहित अन्य सदस्यों के साथ दलवीर ब्रजवासी (रसिया दंगल), ध्रुव महाराज पैंठा वाले (गोवर्धन) ने भव्य स्वागत किया।

वामन शोभायात्रा में दिखेगा भक्ति, आस्था और संस्कृतियों का संगम

जनता यूनियन मथुरा । श्री वामन भगवान महोत्सव समिति के तत्वावधान में आगामी 4 सितंबर, गुरुवार को कुंजबिहारी मंदिर, डीग गेट से सायं 5 बजे भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा।

बुधवार को होली गेट स्थित दाऊजी मंदिर में योजित प्रेस वार्ता में समिति पदाधिकारियों ने शोभायात्रा की रूपरेखा साझा की। समिति के मुख्य संरक्षक पं. राम गोपाल शर्मा ने कहा कि यह आयोजन समाज में एकता, सद्भावना और भाईचारे का संदेश देगा। शोभायात्रा सभी के सहयोग से ऐतिहासिक रूप धारण करेगी ।मुख्य संयोजक संजय पिपरिया ने बताया कि शोभायात्रा में भव्य झांकियां, अखाड़े, ध्वज पताकाएं और भक्तों की टोलियां आकर्षण का केंद्र होंगी। आयोजन को लेकर समिति की तैयारियां अंतिम चरण में हैं ।कार्यकारी अध्यक्ष संजय हरियाणा ने कहा कि समिति का लक्ष्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति का गौरव बढ़ाना और समाज को जोड़ना है। संस्थापक पं. श्याम शर्मा ने कहा कि वामन भगवान की शोभायात्रा ब्रज की आस्था और संस्कृति का दर्पण है। इसमें अधिक से अधिक लोग शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करें। इस अवसर पर समिति के कार्यक्रम समापन संयोजक राजू पंडित,महामंत्री अर्जुन पंडित, उपाध्यक्ष विजय शर्मा, कोषाध्यक्ष कुलदीप शर्मा, मंत्री केके शर्मा, मंत्री संतोष शर्मा,ललित स्वामी, गोविंदाचार्य, के हरिशंकर, संतोष आदि मौजूद थे।

भाजपा की सरकारें छात्र विरोधी, कर रही हैं भविष्य से खिलवाड़

मथुरा। बीएसए कालेज पर एनएसयूआई के पदाधिकारी छात्रों की समस्याओं को लेकर सीओ सिटी आशना चौधरी को ज्ञापन देते हुए।

छात्रों की समस्याओं को लेकर एनएसयूआई ने दिया सीओ को ज्ञापन

जनता यूनियन मथुरा । भारतीय राष्टीय छात्र संगठन एनएसयूआई मथुरा द्वारा छात्र संगठन और छात्र प्रतिनिधियों की आवाज को जिस प्रकार भाजपा सरकार में दबाया जा रहा है। उसके विरोध में महानगर के बीएसए महाविद्यालय पर एक जबरदस्त विरोध प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक ज्ञापन सीओ सिटी आशना चौधरी को दिया।

एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीन ठाकुर ने बताया कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की कमी के कारण पेपर लीक हो रहे हैं। जिससे छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ रहा है। यह विषय बहुत गम्भीर हे और छात्रों के भविष्य के साथ साफ-साफ खिलवाड़ को दर्शाता है। सरकार की विफलता को भी प्रदर्शित करता हे। इस मुद्दे पर सरकार को तुरन्त कार्यवाही करके छात्रों के जीवन को सुरक्षित करने का कार्य करना चाहिए।

एनएसयूआई के पूर्व जिला अध्यक्ष हरीश पचौरी ने बताया कि छात्र प्रतिनिधियों पर लाठीचार्ज और पुलिस द्वारा परेशान किया जाना भाजपा सरकार में यह आम बात हो गई है। चाहे छात्र नेता हो या जनता अगर अपने हक कि लड़ाई लड़ने के लिए आंदोलन करते है तो उन्हें लाठियों और मुकदमों से डराया जाता है । छात्र प्रतिनिधियों पे हुए लाठी चार्ज का एनएसयूआई मथुरा विरोध करती हे यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

जिला अध्यक्ष एनएसयूआई मथुरा हर्ष चौरसिया ने बताया कि छात्रों में सामान्य वर्ग के छात्रों की स्कॉलरशिप भाजपा सरकार में सबसे कम आ रही है । छात्र राजनीति को जीवित करने के लिए छात्र संघ चुनाव होना अति आवश्यक है ।

इस मौके पर यूथ कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश बघेल, यूथ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अनाम धन्य तिवारी,रमन चतुर्वेदी, पीयूष अग्रवाल ,मनीष शर्मा गौरव कश्यप, क्रांतिवीर ,प्रीति चौधरी ,काजल कुंतल, आकाश चौधरी ,अक्षय शर्मा , राहुल यादव, पुष्पराज, आरती, शुभम , देवेंद्र , अविरल, बलराम, राहुल, रजत , अभिषेक, मुकेश , गजेंद्र , मोनू, दीपक , जीशान आदि छात्र और छात्राएं मौजूद रहीं।

वृंदावन चंद्रोदय मंदिर में 'ब्रज हेरिटेज फेस्ट 2025' का आयोजन

जनता यूनियन मथुरा । वृंदावन चंद्रोदय मंदिर की सांस्कृतिक शाखा वी.सी.एम. संस्कृति द्वारा अगस्त 2025 में आयोजित च्ब्रज हेरिटेज फेस्टज्ज ब्रज क्षेत्र का सबसे भव्य सांस्कृतिक उत्सव सिद्ध हुआ। भगवान श्रीकृष्ण की पावन भूमि ब्रज में आयोजित इस अंतर-विद्यालयी उत्सव में प्री-नर्सरी से लेकर कक्षा बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह उत्सव भारत की जीवंत संस्कृति और परंपराओं का उत्सव था, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें श्रीकृष्ण लीलाओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी, शास्त्रीय नृत्य, वैदिक मंत्रोच्चारण, मिट्टी की कलाकृतियाँ, पौराणिक वेशभूषा, वैदिक कथावाचन, रंग भरना, चित्रकला प्रमुख रहे। इस वर्ष ट्रेज़र हंट प्रतियोगिता को भी सम्मिलित किया गया, जो विद्यार्थियों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय रही।

ब्रज हेरिटेज फेस्ट 2025 में कुल 43 विद्यालयों ने भाग लिया और विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों की संख्या 8,162 तक पहुँची।

पुरस्कार वितरण समारोह 2 सितंबर 2025 को उत्कृष्ट पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री गोपाल अग्रवाल, श्रीमती गीतांजलि तथा मंदिर के अध्यक्ष श्री चंचलापति दास सहित कई गणमान्य अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कृत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार स्वरूप साइकिल, लैपटॉप, टैबलेट, स्मार्ट वॉच, स्टडी टेबल और बैकपैक प्रदान किए गए। वहीं नन्हे-मुन्ने प्रतिभागी स्लाइडिंग स्कूटर, टिफिन बॉक्स, पेंसिल बॉक्स और कलरिंग बैग पाकर प्रसन्न हो उठे।

विशेष उपलब्धियों में इस वर्ष की रोलिंग ट्रॉफी राजीव इंटरनेशनल स्कूल ने जीती। प्रथम रनर-अप का खिताब भक्तिवेदांत गुरुकुल एंड इंटरनेशनल स्कूल को मिला। द्वितीय रनर-अप का पुरस्कार द हेरिटेज पब्लिक स्कूल ने प्राप्त किया। जबकि गोकुल माधव पब्लिक स्कूल को विशेष प्रोत्साहन ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

ब्रज हेरिटेज फेस्ट 2025 ने न केवल छात्रों की प्रतिभा को मंच प्रदान किया, बल्कि ब्रज की सांस्कृतिक धरोहर और भारतीय परंपराओं के संरक्षण का भी संदेश दिया।

पत्रिका विमोचन के साथ चित्रकूट पर प्रारम्भ हुआ पूर्वाभ्यास (तालीम)

मथुरा। चित्रकूट मसानी पर श्रीरामलीला सभा के द्वारा आयोजित होने वाली रामलीला महोत्सव की पत्रिका का विमोचन करते सभा के पदाधिकारी।

जनता यूनियन मथुरा । श्री रामलीला सभा रजि.मथुरा के द्वारा होने वाले 22 दिवसीय श्री रामलीला महामहोत्सव की तैयारियां बहुत ही जोरशोर के साथ चल रही है। बुधवार को चित्रकूट परिसर मे रामलीलाओं के प्रोग्राम की पत्रिका का विमोचन कर स्वरूपों एवं पात्रों का पूर्वाभ्यास प्रारम्भ हुआ।

सर्वप्रथम गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी सभापति जयंती प्रसाद अग्रवाल, उप सभापति नंद किशोर अग्रवाल, महामंत्री मूल चंद गर्ग, मंत्री विजय सर्राफ किरोड़ी, कोषाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल, आय व्यय निरीक्षक अजय मास्टर, लीला मंत्री नागेंद्र मोहन मित्तल आदि ने श्री रामदरबार,श्री हनुमंत लाल,श्री शिव परिवार एवं श्री रामचरितमानस का पूजन कर स्वरूपों का लीला मंचन हेतु पूर्वाभ्यास प्रारम्भ कराया। जिसमें प्रथम दिवस पर तुलसीचरित्र,शिव विवाह इत्यादि की लीलाओं मंचन किया गया। जिसे देखकर सभा के सभी सदस्य आनंदित हो उठे। यह पूर्वाभ्यास प्रतिदिन 11 सितम्बर तक शायं 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक चित्रकूट परिसर मे होगा। इस अवसर पर सभा के प्रेरणास्रोत गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी,प्रचार मंत्री पं.शशांक पाठक, कृष्ण मुरारी नेताजी, हेमंत अग्रवाल, सुजान सिंह, प्रवीन अग्रवाल, किशोर मित्तल, संदीप अड्डूकी, विभोर सदर, अनूप टेंट, विनोद सर्राफ, संजय बिजली, हिमांशु सूतिया, पुनीत अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, पं.रामगोपाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

बहुत प्यारा लगा बच्चा, कर लिया अपहरण

■ 24 घंटे के अंदर पुलिस ने सकुशल बच्चे को किया बरामद

झांसी जयूसं। स्थानीय मोटर स्टैंड से अपहृत छह वर्षीय बालक को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर सकुशल बरामद कर लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त को अदालत में पेश किया। वहां से उसे जेल भेजा गया। अभियुक्त ने बताया कि उसे बच्चे बहुत प्यारा लगा था इसलिए उसने अपहरण किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया है कि उन्नाव थाना सफीपुर के बदलेपुरवा निवासी सुमित्रा देवी ने नवाबाद में लिखित तहरीर देते हुए बताया कि वह गुजरात से वापस अपने घर उन्नाव जा रही थी, तो रास्ते में झांसी बस स्टैंड पर उसका छह वर्षीय पुत्र कहीं गुम हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। एसएसपी ने उक्त बच्चे को बराम करने के लिए नवाबाद थाना क्षेत्र के मंडी चौकी प्रभारी कुलदीप पवार, स्वॉट टीम और सर्विलांस टीम को लगाया गया था। एसएसपी के मुताबिक सीसीटीवी फुटेज में मिले सुराग से अभियुक्त को स्थानीय रेलवे स्टेशन के पास से मय बच्चे समेत पकड़ लिया। उसे थाना लाकर पूछताछ की। एसएसपी ने बताया कि कानपुर देहात के थाना बरौर के ग्राम निगोही निवासी नितेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

ऐसे रची थी अपहरण की घटना

अभियुक्त ने बताया कि वह गुजरात में बड़ोदरा शहर में रहकर मजदूरी करता है। 1 सितंबर को वह अपने घर वापस आ रहा था तो एक महिला अपने तीन बच्चों के साथ अकेली मध्य प्रदेश में बस स्टैंड पर मिली, जो झांसी आने के लिए वाहन का इंतजार कर रही थी। उक्त मिहला को अकेला देखकर उसके साथ बातचीत आरम्भ की तथा अपनी बातचीत से अपने विश्वास में ले लिया। दोनों ही एक ही बस में झांसी के लिए यात्रा प्रारंभ की। अभियुक्त को महिला का पुत्र करन (6) बहुत प्यारा लगा और रास्ते में उससे बातचीत करता रहा, साथ ही अपना मोबाइल फोन यात्रा के दौरान उक्त बच्चे को चलाने हेतु दे दिया था। झांसी बस स्टैंड पर पहुंचने पर करने ने अपने मां से टॉयलेट जाने की बात कही गई, जिस पर देखकर उसने महिला कहा कि बहन आप बच्चियों के साथ बैठो, वह करन को टॉयलेट कराकर आ रहा है। टॉयलेट कराने के बहाने अभियुक्त महिला को बताए बिना उसके पुत्र करन को लेकर टैक्सी से रेलवे स्टेशन झांसी आया। यहां से ट्रेन पकड़कर वह अपने घर निगोही चला गया। तत्पश्चात वह करन को लेकर गुजरात जाते समय झांसी आया तो उसे बच्चे समेत गिरफ्तार कर लिया।

सुरक्षा, समयपालनता और गतिशीलता को बनाएं प्राथमिकता : जीएम

झांसी जयूसं। उत्तर मध्य रेलवे के नवनियुक्त महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने कहा कि सुरक्षा, समयपालनता और गतिशीलता बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कैटल रनओवर और अलार्म चेन पुलिंग के मामलों में कमी लाने पर जोर दिया। यह बात उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में सभी विभागीय अधिकारियों के साथ हुई बैठक में कही है।

उन्होंने झांसी मंडल में चल रहे विकास एवं आधुनिकीकरण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और कार्य की गति एवं गुणवत्ता में और सुधार लाने के निर्देश दिए। मंडल रेल चिकित्सालय को ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट रिपोर्ट को एक दिन में तैयार करने का निर्देश दिया। श्री सिंह द्वारा मंडल में चल रहे निर्माण कार्यों, ट्रैक दोहरीकरण, तीसरी लाइन और चौथी लाइन के संबंध में चर्चा की गई। ग्वालियर स्टेशन तथा वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्टेशन के पुनर्विकास तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की भी जानकारी ली। समीक्षा बैठक में मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा, अपर मंडल रेल प्रबंधक - इंफ्रा, प्रेम प्रकाश शर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक -परिचालन नंदीश शुक्ल, सीपीएम -निर्माण, एस के गुप्ता समेत सभी विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

इसके बाद महाप्रबंधक कोच केयर सेंटर, टीआरडी -डिपो, कोच मिडलाइफ रिहैबिलिटेशन वर्कशॉप, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना का दौरा किया। महाप्रबंधक ने यहां कोचों के नवीनीकरण से संबंधित विभिन्न चरणों की समीक्षा की और उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग पर बल दिया। महाप्रबंधक द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन और सराहनीय कार्य के लिए रेल कोच नवीनीकरण कारखाना को 1 लाख रुपए, सीएमएलआर वर्कशॉप को 50 हजार रुपए, कोच केयर सेंटर को 25 हजार रुपए और टीआरडी -डिपो,को 10 हजार रुपए की धनराशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान करने की घोषणा की गई। महाप्रबंधक के निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा, मुख्य कारखाना इंजीनियर रजनीश बंसल, मुख्य कारखाना प्रबंधक, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना अतुल कन्नौजिया, मुख्य कारखाना प्रबंधक सी एम एल आर बृजेश कुमार पांडेय समेत सभी संबंधित अधिकारी और स्टाफ मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

बीयू झांसी में एंटीना पर 15 दिवसीय लघु-अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित

झाँसी जयूसं। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित 15 दिवसीय अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आज बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस सत्र का उद्घाटन आलोक पांडे–विशेषज्ञ वक्ता, प्रो. एम. एम. सिंह –डीन, इंजीनियरिंग संकाय, प्रो. डी. के. भट्ट –निदेशक, इंजीनियरिंग संकाय,और इंजी. शशिकांत वर्मा–समन्वयक, ईसीई,सहित प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा किया गया। समारोह के दौरान, विशेषज्ञों ने छात्रों के सराहनीय प्रदर्शन की सराहना की और एचएफएसएस सॉफ्टवेयर में उनकी दक्षता पर प्रकाश डाला। संयोजक ने गर्व से घोषणा की कि प्रतिभागियों की उपस्थिति शत–प्रतिशत रही और आश्वासन दिया कि कार्यक्रम के परिणामस्वरूप 10 शोध पत्र प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित होंगे। प्रो. एम. एम. सिंह ने अपने उत्साहवर्धक शब्दों से छात्रों का उत्साहवर्धन किया, जबकि प्रो. डी. के. भट्ट ने तकनीकी ज्ञान और शोध अभिविन्यास को बढ़ाने में ऐसी कार्यशालाओं के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अतुल मकरारिया ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ज़ाकिर अली ने किया। डॉ. ब्रजेन्द्र शुक्ल, डॉ. अनुपम व्यास, इं. राजेश वर्मा, डॉ. आकांशा गुप्ता, डॉ. नौसाद, इं. लाखन सिंह, डॉ.ब्रजेंद्र कश्यप, इं. विजय वर्मा, डॉ. सुरजीत रायकवार, डॉ. सुभांगी निगम, डॉ. महेंद्र प्रताप, इंआर. गौरव वर्मा, इं. तज़ीन अली, इं. अनुराग गुप्ता, इं. आशीष स्वर्णकार, और कई अन्य संकाय सदस्य इस कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

इनोवेशन प्रतियोगिता , पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

झाँसी जयूसं। एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, कानपुर द्वारा आइडिया एवं इनोवेशन प्रतियोगिता की पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर सैयद उस्मान अली, कार्यवाहक ए.डी.जी., उत्तर प्रदेश निदेशालय एनसीसी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में कुल 168 कैडेट्स ने भाग लिया, जिनमें से श्रेष्ठ 11 मॉडलों को सम्मानित किया गया। इसमें कानपुर ग्रुप को बेस्ट मॉडल का पुरस्कार प्राप्त हुआ जबकि प्रयागराज ग्रुप को च्ओवरऑल यूपी डायरेक्टरेट इंटर ग्रुप आइडिया एवं इनोवेशन ट्रॉफी 2025–26च्च से सम्मानित किया गया। विशेष रूप से, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी के दो कैडेट्स ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय और पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र का मान बढ़ाया। मेजर (प्रो.) सुनील काबिया, एनसीसी एएनओ, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय ने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय और क्षेत्र के लिए अत्यंत गौरव की बात है। हमारे कैडेट्स ने मेहनत और नवाचार की मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवा प्रतिभाओं को स्टार्टअप और इनोवेशन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए मजबूत आधार प्रदान कर रही है। 56 यूपी बटालियन एनसीसी, झाँसी के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल प्रशांत कक्कर ने कहा कि एनसीसी युवाओं को अनुशासन और नवाचार की राह दिखाती है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने अपनी प्रतिभा से सिद्ध किया है कि वे हर क्षेत्र में अग्रणी हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास आने वाले समय में युवाओं को स्टार्टअप संस्कृति और तकनीकी उद्यमिता से जोड़ने का कार्य करेंगे। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय से हेमंत चन्द्रा ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व का क्षण है और यह उनके प्रशिक्षकों व एनसीसी के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वह भविष्य में और बेहतर योगदान देकर विश्वविद्यालय और एनसीसी का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करना चाहते हैं तथा इनोवेशन आधारित स्टार्टअप्स में भी अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर सैयद उस्मान अली ने कहा कि आज के युवा भारत के भविष्य निर्माता हैं और नवाचार व सृजनात्मक सोच से ही देश नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।

एडीएम प्रशासन ने देखीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागाँव की व्यवस्थाएं

■ स्वास्थ्य केंद्र के बाहर जल भराव और साफ -सफाई संतोषजनक न पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही करने के दिए निर्देश

झांसी जयूसं। अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ागाँव का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल के अंदर साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई तथा केन्द्र पर आमजन से वार्ता के दौरान उपचार से सम्बन्धित फीडबैक की स्थिति भी संतोषजनक मिली। भ्रमण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाए जाने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र के बाहर जल भराव होने के कारण साफ सफाई संतोषजनक नही पायी एवं स्वा.केन्द्र के बाहर रखे पुराने वाहन एम्बुलेंस को सुरक्षित रख रखाव हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया कि वह इस संबंध में अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित कराये ।

स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने उपस्थित तीमारदारों से बात की, इसके अतिरिक्त उन्होंनेआयुष्मान कार्ड से मरीजो के इलाज हेतु रजिस्ट्रेशन कराने से संबंधित पंजिका अद्यतन कराये जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया ।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन शिव प्रताप शुक्ल ने स्वास्थ्य केन्द्र के प्रवेश मार्ग से अंदर की ओर जाने वाले रास्ते पर जल भराव होने के कारण मरीजों व आमजन को असुविधा हो रही है इसके संबंध में बी.डी.ओ. एवं अन्य संबंधित से समन्वय स्थापित कर समस्या का समाधान कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया । इस अवसर पर अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं स्टाफ और मरीज उपस्थित रहे।

पितृपक्ष में लावारिस, अनाथ एवं अज्ञात आत्माओं का तर्पण-पिंडदान श्राद्ध

झाँसी जयूसं। जिला जनकल्याण महासमिति झांसी के सिटी ऑफिस पर आज समस्त धर्माचार्यों की उपस्थिति में पितृपक्ष के अवसर पर आयोजित होने वाले तर्पण-पिंडदान श्राद्ध कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में गरुण पुराण, शिव पुराण सहित वेदों एवं धर्मग्रंथों के उल्लेखों के आधार पर तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध अनुष्ठान के महत्व पर गहन विचार-विमर्श हुआ।धर्माचार्यों ने स्पष्ट किया कि संस्था के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार तिवारी विगत वर्षों से लावारिस, अनाथ एवं अज्ञात दिवंगत आत्माओं की शांति एवं मोक्ष हेतु तर्पण करते रहे हैं। किंतु पुराणों और शास्त्रों के अनुसार आत्मा की पूर्ण शांति और मोक्ष तभी संभव है जब तीर्थराज गया जी में विद्वान पंडों की देखरेख में पिंडदान श्राद्ध किया जाए।

दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा,07 सितंबर को समय प्रातः 11:00 बजे,पहुज नदी, सीपरी बाजार, झांसी,अज्ञात दिवंगत आत्माओं का सामूहिक तर्पण एवं पिंड पूजन का कार्यक्रम होगा तथा 08 सितंबर को प्रातः 08:30 बजे,झांसी रेलवे स्टेशन से पिंडों की श्रद्धामयी विदाई एवं मोक्ष हेतु सामूहिक प्रार्थना और इसके बाद डॉ. जितेन्द्र कुमार तिवारी अपनी टीम को लेकर पवित्र पिंड लेकर चंबल एक्सप्रेस से तीर्थराज गया जी प्रस्थान करेंगे, जहाँ परंपरागत विधि से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पिंडदान एवं श्राद्ध अनुष्ठान संपन्न किया जाएगा। धर्माचार्यों की राय और समर्थन बैठक में उपस्थित प्रमुख धर्माचार्य मेंमहंत विष्णु दत्त स्वामी - जिला धर्माचार्य,आचार्य पं. हरिओम पाठक -महानगर धर्माचार्य,आचार्य पं. बृजकिशोर हरभजन भार्गव-केंद्रीय अध्यक्ष, बुंदेलखंड ब्राह्मण विद्वत परिषद,आचार्य पं. बसंत विष्णु गोलवलकर -मुरली मनोहर मंदिर,आचार्य पं.विनोद चतुर्वेदी - राष्ट्रीय कथावाचक,आचार्य मनोज चतुर्वेदी -प्रसिद्ध कथावाचक, आचार्य मार्तण्ड स्वामी सभी धर्माचार्यों ने एकमत से कहा कि शास्त्रों में स्पष्ट उल्लेख है कि जब तक पिंडदान तीर्थराज गया जी में न हो, आत्मा भटकती रहती है और उसे पूर्ण मोक्ष नहीं मिलता।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव न लड़ने वाले पंजीकृत राजनैतिक दलों की सुनवाई की

■ पंजीकृत राजनैतिक दल अपना ईमेल, मोबाइल नंबर तथा वर्तमान पता अपडेट रखेंः मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा

झाँसी जयूसं। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेश के पते पर पंजीकृत ऐसे राजनैतिक दल जो विगत छः वर्षो से प्रत्यक्ष रूप से लोक सभा एवं विधान सभा के चुनाव में प्रतिभाग नहीं कर रहें थे उनके प्रतिनिधियों के साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में सुनवाई की। उन्होंने प्रत्येक दल द्वारा प्रस्तुत किए गए अंशदान रिपोर्ट, वार्षिक लेखा परीक्षण -ऑडिट, रिपोर्ट एवं निर्वाचन व्यय विवरण जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों का गहन परीक्षण किया और सभी दलों के मोबाइल नंबर, पंजीकरण संख्या, वर्तमान पता व ईमेल की भी जांच की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा ऐसे दलों के प्रतिनिधियों को अपना प्रत्यावेदन, शपथपत्र एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों के साथ सुनवाई के दौरान कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। उन्होने सुनवाई के लिए प्रदेश के पते पर पंजीकृत 121 राजनैतिक दलों को कारण बताओं नोटिस जारी किया था. इसमें से 03 सितम्बर को 51 राजनैतिक दलों को सुनवाई के लिए बुलाया गया था. जिसमें से 17 पंजीकृत राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने सुनवाई में प्रतिभाग किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा 02 एवं 03 सितम्बर को की गयी सुनवाई में 121 राजनैतिक दलों में से 55 राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के सम्मुख उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक दल को प्रतिवर्ष 30 सितम्बर तक अपनी अंशदान रिपोर्ट तथा 31 अक्टूबर तक अपने आय-व्यय की आडिट रिपोर्ट देना अनिवार्य है। इसी प्रकार लोकसभा चुनाव के बाद 90 दिनों में तथा विधानसभा चुनाव के बाद 75 दिनों में अपने आय व्यय का ब्योरा भी देना है। प्रत्येक दल को चंदे के रूप में प्राप्त 20 हजार रुपए से अधिक के अंशदान की रिपोर्ट देनी है। उन्होंने कहा कि सभी दलों के प्रतिनिधियों को अपनी पार्टी का ईमेल, मोबाइल नंबर तथा वर्तमान पता को अपडेट रखना होगा, जिससे कि आयोग के निर्देशों व अन्य तथ्यों की जानकारी को समय से उपलब्ध कराया जा सके।

सुनवाई में गदर पार्टी प्रतापगढ़, नवचेतना पार्टी मैनपुरी, नवीन समाजवादी दल प्रयागराज, निस्वार्थ सेवा राष्ट्र सेवा पार्टी प्रयागराज, पूर्वांचल क्रांति पार्टी जौनपुर, राष्ट्रवादी इंसान पार्टी प्रयागराज, राष्ट्रवादी समाज पार्टी कानपुर नगर, राष्ट्रीय बंधुत्व पार्टी प्रयागराज, आम जन क्रांति पार्टी इटावा, राष्ट्रीय लोकतंत्र दल हापुड, राष्ट्रीय मानव विकास पार्टी अमरोहा, सामूहिक एकता पार्टी कानपुर नगर, सर्वप्रिय समाज पार्टी इटावा, सत्य शिखर पार्टी अयोध्या, यूथ सोशलिस्ट पार्टी मुरादाबाद, युवा अनुभव पार्टी गोरखपुर, भारतीय युवा स्वाभिमान पार्टी औरैया जिले में पंजीकृत राजनैतिक दलों के अध्यक्ष व महासचिव उपस्थित रहे।

मैथी की खेती से होगा मुनाफा, किसान भाइयों के लिए सलाह

झाँसी जयूसं। मेथी को औषधीय गुणों के साथ-साथ सब्जी और मसाला वर्ग की महत्वपूर्ण फसल माना जाता है। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयके प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ .सुशील कुमार सिंह ने किसान भाइयों को सलाह दी है, कि इसकी बुवाई सितंबर के प्रथम पखवाड़े में अवश्य सुनिश्चित कर लें। विशेषज्ञों के अनुसार मेथी की खेती के लिए हल्की दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है तथा खेत में पानी निकास की उचित व्यवस्था करना जरूरी है। सब्जी वाली मेथी के लिए 20 से 25 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई करने की सिफारिश की गई है। बुवाई से पूर्व खेत में अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद डालने से उत्पादन में वृद्धि होती है।

खरपतवार प्रबंधन के लिए बुवाई के 24 से 36 घंटे बाद पेंडीमिथालिन 30 ईसी (लगभग 3.3 लीटर प्रति हेक्टेयर) को 500 से 600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने की सलाह दी गई है। वहीं, पौध निकलने के 15 से 20 दिन बाद हल्की गुड़ाई और खरपतवार निकालना आवश्यक है।

सिंचाई प्रबंधन के तहत बुवाई के 15 से 20 दिन बाद पहली हल्की सिंचाई की जानी चाहिए। इसके बाद भूमि के प्रकार के अनुसार हल्की सिंचाई लाभकारी रहती है। किसानों को बुवाई के लिए गुजराती मेथी, राजेंद्र मेथी, हिसार मुक्ता, पूसा कसुरी और मीठी किस्मों को अपनाने की सलाह दी गई है। बुवाई के 30 से 35 दिन बाद पहली कटाई करनी चाहिए तथा पौधों को 2 से 3 इंच छोड़कर काटना चाहिए ताकि आगे पुनः बढ़वार हो सके। डॉ. सिंह का कहना है कि समय पर बुवाई और उचित प्रबंधन से मेथी की खेती से किसान अच्छी उपज प्राप्त कर अधिक लाभ कमा सकते हैं।

यूपी के पुलिसकर्मियों को राहत, अब एक ही जिले में मिलने लगी है तैनाती

झांसी जयूसं। यूपी पुलिस में कार्यरत दंपत्ति पुलिस कर्मियों को बड़ी राहत मिली है। तत्कालीन पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार के आदेश पर अब पालन होना शुरु हो गया है। प्रदेश में कई जिलों में तैनात आरक्षियों को तैनाती मिलना शुरु हो गई है। इसमें झांसी जनपद के चार लोग शामिल है। इस फैसले से पुलिसकर्मियों को पारिवारिक और मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहूलियम मिलेगी। पुलिस महानिदेशक के इस आदेश के बाद यूपी पुलिस के स्थापना विभाग ने तत्काल प्रभाव से कई तैनातियां की हैं। इसमें विशेष रुप से ऐसे मामलों को प्राथमिकता दी गई है जहां पति और पत्नी दोनों पुलिस सेवा में हैं और उन्हें अब तक अलग-अलग जिलों में तैनात किया गया था। नए आदेश के अनुसार, यदि पति-पत्नी दोनों यूपी पुलिस में कार्यरत हैं, तो उन्हें सहूलियत के तौर पर एक ही जिले में अनुकंपा के आधार पर तैनाती दी जा रही है। यह फैसला विशेष रुप से महिला पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के लिए बड़ी राहत लेकर आया था। इससे न सिर्फ कामकाजी जीवन में संतुलन बनेगा, बल्कि पारिवारिक जीवन में भी स्थिरता आएंगी। इस कदम को महिला सशक्तिकरण और कर्मचारी हितों की दिशा में बड़ा निर्णय माना गया था। पुलिस विभाग में तैनात करीब 90 कर्मियों को अनुकंपा के आधार पर उनके जीवनसाथी की नियुक्ति वाले जिलों के पास तैनात किया गया है। पुलिस महानिदेशक मुख्यालय के तबादले का आदेश जारी कर दिया है। बता दें कि पुलिस में तैनात पति-पत्नी को अनुकंपा के आधार पर समान रेंज अथवा जिले में तैनात किया जाता है। मालूम हो कि दिसंबर 2023 में उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया था कि प्रशासनिक जरुरत के आधार पर अलग-अलग जिलों में सरकारी नौकरी कर रहे पति -पत्नी का तबादला नजदीकी जिलों में करने पर विचार किया जा सकता है, हालांकि इसे अधिकार नहीं माना जाएगा। जिसके बाद अनुकंपा के आधार पर ऐसे पुलिसकर्मियों को तबादला नजदीकी जिलों में किया जाता है।

जनपद में दो महिला आरक्षियों व दो पुरुष आरक्षियों को मिली खुशखबरी

इनका हुआ है तबादला

बांदा निवासी राजकुमार ने आवेदन दिया था कि उसकी पत्नी ज्योति प्रजापति, झांसी में तैनात है। उसका तबादला प्रतापगढ़ से झांसी परिक्षेत्र किया जाए। वहीं, कानपुर नगर निवासी अनुपमा सिंह ने आवेदन दिया था कि उसका पति निखिल सिंह यूपी 112 में झांसी में तैनात है। उसका तबादला लखनऊ से झांसी परिक्षेत्र किया जाए। उधर, आगरा निवासी सोनम ने आवेदन दिया था कि उसकी पति आरक्षी इंद्रजीत सिंह गाजियाबाद में तैनात है। उसका तबादला झांसी से गाजियाबाद किया जाए। इसके अलावा आगरा निवासी आरक्षी चंद्रमोहन ने आवेदन दिया था कि उसकी पत्नी कुमकुम झांसी में तैनात है। उसका तबादला कासगंज से झांसी परिक्षेत्र किया जाए। इस आधार पर स्थापना बोर्ड ने उक्त चारों का तबादला संबंधित स्थानों के लिए कर दिया है। इन तबादलों से पुलिस महकमें में खुशी है।

मधुमेह मरीजों के लिए करी पत्ता किसी वरदान से कम नहीं

- नेत्र रोग व त्वचा संबंधी समस्याओं का इलाज
- करी पत्ते में कार्बाजोल एल्कलॉइड्स, विटामिन्स जैसे तत्व मौजूद

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। करी पत्ता से लगा तड़का जहां खाने में स्वाद बढ़ा देता है, वहीं यह शरीर को कई बीमारियों से भी बचाता है। वैज्ञानिक शोध और आयुर्वेद दोनों करी पत्ता से मिलने वाले फायदों की पुष्टि करते हैं। आयुर्वेद में करी पत्ता को 'कृष्णनिंब' कहा जाता है। आयुर्वेद के अलावा, सिद्ध और यूनानी चिकित्सा पद्धतियों में इसका उपयोग सदियों से पाचन, नेत्र रोगों और त्वचा संबंधी समस्याओं के इलाज में किया जाता रहा है।

अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, करी पत्ते में कार्बाजोल एल्कलॉइड्स, विटामिन्स, और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं।

मधुमेह के मरीजों के लिए यह पत्ता किसी वरदान से कम नहीं है। वैज्ञानिकों का मानना है कि करी पत्ता शरीर में इंसुलिन की क्रिया को बेहतर बनाता है, जिससे ब्लड में शुगर का लेवल कंट्रोल में रहता है। यही कारण है कि आयुर्वेदिक चिकित्सक इसे 'नेचुरल इंसुलिन बूस्टर' मानते हैं। दूसरी ओर, लिवर की सेहत को बनाए रखने में भी इसका खास योगदान है। करी पत्ते में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स और डिटॉक्सिफाइंग एजेंट्स लिवर को जहरीले तत्वों से साफ करने में मदद करते हैं।

बालों के झड़ने और समय से पहले सफेद होने की समस्या आजकल आम हो गई है। करी पत्ते को नारियल तेल में उबालकर लगाने से यह समस्या काफी हद तक कम की जा सकती है। यह बालों की जड़ों को पोषण देता है और उन्हें मजबूत बनाता है। पुराने समय में यह नुस्खा गांवों में खूब इस्तेमाल किया जाता था, जिसे अब वैज्ञानिक रूप से भी प्रमाणित किया गया है। पाचन में भी करी पत्ता बेहद लाभकारी है। इसका नियमित सेवन गैस, कब्ज, और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत देता है। यह एक तरह का नेचुरल एंटासिड है जो पेट को ठंडक देता है और पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है। खास बात यह है कि इसमें आयरन और फोलिक एसिड दोनों तत्व मौजूद होते हैं। फोलिक एसिड शरीर को आयरन सोखने में मदद करता है, जिससे एनीमिया का खतरा नहीं बना रहता। आंखों की सेहत में भी करी पत्ता काफी फायदेमंद है। इसमें विटामिन ए की अच्छी मात्रा होती है, जो आंखों की रोशनी को बनाए रखने में मदद करती है।

ठहरने की कला सीख रही हूं : दिव्यांका त्रिपाठी

मुंबई, (एजेंसियां)। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी जिंदगी से जुड़े विचार शेयर करती हैं। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह पारंपरिक और स्टाइलिश लुक में नजर आईं। उनके इस पोस्ट ने फैंस का ध्यान आकर्षित किया। इंस्टाग्राम पोस्ट में दिव्यांका एक हल्के नीले रंग के पारंपरिक सूट में दिख रही हैं, जो उनकी खूबसूरती को और निखार रहा है। तस्वीरों में उनकी मुस्कान बेहद प्यारी लग रही है। उन्होंने कानों में बड़े-बड़े झुमके पहने हुए हैं और माथे पर बिंदी है, जो उनकी सुंदरता में चार चांद लगा रही है। इसके अलावा, उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा हुआ है।

इस खूबसूरत अंदाज के साथ उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, एक ऐसी दुनिया में जो कभी रुकती नहीं, मैं ठहरने की कला सीख रही हूं और इसके बीच मुस्कुराना भी।

उनके कैप्शन ने फैंस के बीच चर्चा को बढ़ा दिया है। दरअसल, उनके कैप्शन का अर्थ है कि चाहे जिंदगी कितनी भी भागदौड़ वाली हो, वह खुद को शांत और खुश रखने की कोशिश कर रही हैं। फैंस उनके इस पोस्ट पर प्यार और समर्थन दे रहे हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो दिव्यांका को अब से पहले सोनी लिव की सीरीज 'अदृश्यम द इनविजिबल हीरोज' में देखा गया था, जिसमें वह अंडरकवर एजेंट पार्वती सहगल के किरदार में नजर आई थीं। यह सीरीज एजेंसी आईबी47 पर बनी है।

उन्होंने रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज' में हिस्सा लेकर अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 'बनूं मैं तेरी दुल्हन' में काम किया और घर-घर में लोकप्रियता हासिल की। दिव्यांका 'खाना खजाना', 'कयामत की रात', 'ये हैं मोहब्बतें', 'नचले वे विद सरोज खान', 'जोर का झटका टोटल वाइप आउट', 'कॉमेडी सर्कस', 'नच बलिए 8', और 'फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी' जैसे शो का भी हिस्सा रही हैं।

चार पैरों पर चलने का नया चलन

- क्वाड्रोबिक्स ने मचाया सोशल मीडिया पर धमाल
- कार्डियो वर्कआउट से बढ़ती है स्टेमिना व फ्लेक्सिबिलिटी

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। एयरोबिक्स, एरियल योग के बाद अब एक और शारीरिक व्यायाम ट्रेंड में है। खासकर सोशल मीडिया के इस दौर में ये फिजिकल एक्टिविटी काफी पसंद की जा रही है और इसका नाम क्वाड्रोबिक्स है। यह न सिर्फ एक शारीरिक गतिविधि है, बल्कि एक कलात्मक प्रदर्शन भी है, जो आत्म-अभिव्यक्ति, फिटनेस और क्रिएटिविटी का अनोखा संगम है।

क्वाड्रोबिक्स एक फिजिकल मूवमेंट स्टाइल है जिसमें इंसान चार पैरों (हाथों और पैरों) पर जानवरों की तरह दौड़ता, कूदता और घूमता है। इन दिनों यह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर काफी 'इन,' यानी ट्रेंड में है। यह 'क्वाड' (चार) और 'एरोबिक्स' (शारीरिक व्यायाम) को मिलाकर बना है। इसमें कई तरह की चालें और स्टंट शामिल हैं, जैसे चार पैरों पर दौड़ना, फ्लिप करना, एनिमल-स्टाइल मूवमेंट्स दिखाना और कूदते हुए चाल अचानक बदल देना।

क्वाड्रोबिक्स की शुरुआत

जो इन दिनों ट्रेंड में है, आखिर उस क्वाड्रोबिक्स की शुरुआत कब हुई? तो इतिहास बड़ा रोचक है। 2010 के दशक में कुछ युवा जो खुद को 'थेरियन' या 'अदरकिंस' के रूप में पहचानते थे-यानी वे लोग जो खुद को आधा इंसान, आधा जानवर महसूस करते हैं-उन्होंने जानवरों जैसी हरकतें करना शुरू किया, और धीरे-धीरे यह एक 'फिजिकल आर्ट फॉर्म' बन गया। हालांकि अब यह सिर्फ थेरियन समुदाय तक सीमित नहीं है-आज यह एक फिजिकल फिटनेस ट्रेंड बन चुका है जिसे बहुत से युवा अपनी कला, चुस्ती और स्टेमिना से जोड़कर देखते हैं। इसके फायदे कई हैं। यह एक अच्छा कार्डियो वर्कआउट है जिससे स्टेमिना और फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। क्रिएटिविटी का प्रदर्शन भी करते हैं। क्वाड्रोबिक्स में लोग अपने मूवमेंट्स को म्यूजिक के साथ मिलाकर वीडियो बनाते हैं। यह लोगों को अपनी पहचान, शैली और सोच को व्यक्त करने का मौका देता है। इसमें शारीरिक संतुलन, ताकत और सतर्कता की जरूरत होती है। शुरुआत करने से पहले वार्म-अप और अभ्यास जरूरी है ताकि चोट से बचा जा सके। कुछ लोग इसमें भेड़िया, बिल्ली या अन्य जानवरों की तरह मूवमेंट करते हैं और अपने 'नेचुरल इमोशन्स' को अभिव्यक्त करते हैं। कभी किसी मोड़ पर अगर आपको कोई अजीबोगरीब चेहरा बनाकर किसी जानवर की तरह चलता दिखे तो उसे बुद्धु समझने की भूल कतई न करिएगा।

बरसात में दिल की सेहत का रखें ध्यान : डॉ. कालरा

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। मानसून का मौसम, भीषण गर्मी के बाद ताजगी तो देता है, लेकिन कई स्वास्थ्य चुनौतियां भी पेश करता है, खासकर हार्ट डिजीज से पीड़ित लोगों के लिए मानसून का मौसम बेहद गंभीर होता है। संक्रमण के बढ़ते खतरे से लेकर तापमान में अचानक बदलाव तक, बारिश का मौसम अप्रत्यक्ष रूप से दिल की स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। यही वह समय है जब डेली हैबिट्स, प्रिवेंटिव हेल्थ कोयर और रेगुलर चेकअप पर ध्यान देना खास तौर से महत्वपूर्ण हो जाता है। कीर्ति नगर स्थित कालरा अस्पताल के निदेशक व दिल के मशहूर डॉक्टर आर एन कालरा ने बरसात के मौसम को लेकर कहा कि हार्ट डिजीज में वे सभी स्थितियां शामिल हैं जो हार्ट और ब्लड वेसल्स के सामान्य कामकाज में बाधा डालती हैं। यह एक ऐसा शब्द है जिसमें कोरोनरी आर्टरी डिजीज, हार्ट वाल्व डिजीज, हृदय की मांसपेशी रोग और जन्मजात हृदय दोष जैसी कई स्थितियां शामिल हैं।

मोटापा व दिल की बीमारियों में फायदेमंद सूरजमुखी के बीज

- बालों की खूबसूरती बढ़ाने में भी सूरजमुखी के बीज काफी अहम
- सूरजमुखी के बीजों में कैल्शियम, आयरन, जिंक, फॉस्फोरस, पोटैशियम जैसे तत्व

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। सूरजमुखी के बीज सेहत के लिए किसी नेमत से कम नहीं है। इन्हें डाइट में शामिल करना बेहद जरूरी है। यह दिखने में भले ही छोटे हों, लेकिन इनके अंदर ताकत का खजाना छिपा होता है। इन बीजों को आमतौर पर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। अमेरिकन नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के मुताबिक, सूरजमुखी के बीजों में प्रोटीन, फाइबर, हेल्दी फैट्स, विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसके अलावा ये बीज कई गंभीर बीमारियों को रोकने में मदद करते हैं।

नन्हे-नन्हे बीज दिल की सेहत के लिए लाभकारी होते हैं। आजकल हार्ट अटैक और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। सूरजमुखी के बीजों में पाया जाने वाला ओमेगा-6 फैटी एसिड और विटामिन ई दिल की धड़कन को सही रखने में मदद करता है। यह कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल करता है और धमनियों में खून के थक्के नहीं जमने देता। इसके अलावा, इनमें मौजूद मैग्नीशियम दिल की मांसपेशियों को मजबूती देता है।

यह डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद है। सूरजमुखी के बीजों में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो खून में शुगर के स्तर को संतुलित रखने में मदद करता है। ये बीज शरीर में इंसुलिन को बेहतर तरीके से काम करने में मदद करते हैं, जिससे टाइप-2 डायबिटीज पर काबू पाया जा सकता है। कुछ रिसर्च तो यहां तक कहती हैं कि सूरजमुखी के बीजों का अर्क ब्लड शुगर को उतना ही कम कर सकता है जितना कोई दवा।

जिन लोगों को अक्सर सूजन या दर्द की समस्या होती है, उनके लिए भी सूरजमुखी के बीज रामबाण साबित हो सकते हैं। इनमें प्राकृतिक रूप से एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर की अंदरूनी सूजन को कम करते हैं। बीजों से बने तेल को त्वचा पर लगाने से भी सूजन और जलन से राहत मिलती है। वजन घटाने में भी सूरजमुखी के बीज आपकी मदद कर सकते हैं। इनमें मौजूद हेल्दी फैट्स और फाइबर पेट को देर तक भरा हुआ महसूस कराते हैं, जिससे आप बार-बार खाने से बच जाते हैं। मेटाबॉलिज्म को तेज करते हैं, जिससे शरीर की चर्बी तेजी से घटने लगती है। त्वचा और बालों की खूबसूरती बढ़ाने में भी सूरजमुखी के बीज काफी अहम योगदान निभाते हैं। इन बीजों में पाया जाने वाला विटामिन ई त्वचा को चमकदार बनाता है।

जापान 1945 : परमाणु समर्पण का मिथक

परमाणु हमलों ने जापान को समर्पण के लिए किया मजबूर

यह कथन सोवियत संघ की भूमिका को कम करता है और अमेरिकी कारक को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करता है

- 9 अगस्त को, लाल सेना ने मंचूरिया में रणनीतिक अभियान किया शुरू था
- हिरोशिमा और नागासाकी का विनाश एक पहले से परिचित तबाही का था हिस्सा

मास्को, (एजेंसियां)। जापान के 1945 में समर्पण के कारणों पर बहस, विशेष रूप से द्वितीय विश्व युद्ध के अंत की वर्षगांठ के समय, जारी रहती है। इस विवाद का केंद्र एक महत्वपूर्ण सवाल है निर्णायक कारक क्या था? हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बमबारी या सुदूर पूर्व में युद्ध में सोवियत संघ का प्रवेश? यह विवाद केवल अकादमिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह 1945 की घटनाओं की व्याख्या और समकालीन विश्व में उनके राजनीतिक महत्व के लिए एक संघर्ष को दर्शाता है।

जापान में व्यापक रूप से प्रचारित और कुछ पश्चिमी इतिहासकारों द्वारा समर्थित यह कथन कि परमाणु बमबारी ने टोक्यो को समर्पण के लिए मजबूर किया, एक सुविधाजनक मिथक मात्र है। यह कथन सोवियत संघ की भूमिका को कम करता है और अमेरिकी कारक को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करता है। हालांकि, अगस्त 1945 में जापानी नेताओं, जिसमें सम्राट हिरोहितो शामिल थे, के बयानों से पता चलता है कि निर्णायक कारक मंचूरिया में सोवियत सेना की तेजी से की गई आक्रामक कार्रवाई थी।

आम धारणा के विपरीत, परमाणु हमलों ने तत्काल झटका नहीं दिया। उस समय तक, जापान पहले ही कई विनाशकारी पारंपरिक बमबारी का सामना कर चुका था, जिसमें मार्च में टोक्यो पर हमला शामिल था, जिसने एक ही रात में एक लाख से अधिक लोगों की जान ले ली थी। जापानियों के लिए, हिरोशिमा और नागासाकी का विनाश एक पहले से परिचित तबाही का हिस्सा था, न कि एक अनूठी घटना। यह भी महत्वपूर्ण है कि अगस्त 1945 में संयुक्त राज्य अमेरिका के पास इस तरह की तीव्रता के साथ अभियान को जारी रखने के लिए पर्याप्त परमाणु हथियार नहीं थे।

वास्तविक निर्णायक मोड़ कहीं और था। 9 अगस्त को, लाल सेना ने मंचूरिया में रणनीतिक अभियान शुरू किया, जिसे सावधानीपूर्वक तैयार किया गया और बिजली की गति से निष्पादित किया गया। परिणामस्वरूप, क्वांटुंग सेना, जिसे पहले जापान की सबसे शक्तिशाली सैन्य इकाई माना जाता था, निष्क्रिय हो गई, और जापान ने उत्तर-पूर्वी चीन और कोरिया में अपनी रणनीतिक भंडार और संसाधन आधार खो दिया। पहली बार, जापानी द्वीपों पर सीधे सोवियत आक्रमण का खतरा वास्तविक हो गया, जिसने टोक्यो को अपनी स्थिति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया।

अमेरिकी सैन्य नेतृत्व भी सोवियत कारक के महत्व से अवगत था। अमेरिकी ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुमानों के अनुसार, सोवियत हस्तक्षेप के बिना, प्रशांत युद्ध एक और वर्ष तक चल सकता था, जिससे संयुक्त राज्य अमेरिका को दस लाख से अधिक जिंदगियों की कीमत चुकानी पड़ती। यह कोई संयोग नहीं है कि पॉट्सडम में वाशिंगटन ने सोवियत प्रतिबद्धताओं की पुष्टि पर जोर दिया।

इस पृष्ठभूमि में, तृतीय रीच और द्वितीय विश्व युद्ध के विशेषज्ञ ब्रिटिश इतिहासकार रिचर्ड ओवेरी के शब्द विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। वह बताते हैं कि परमाणु हमलों के प्रभाव को पारंपरिक रूप से बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। उनके अनुसार, हिरोशिमा बमबारी को कैसे देखा और रिपोर्ट किया गया, इसमें काफी अनिश्चितता थी। केवल 10 अगस्त को, जब सम्राट ने मित्र राष्ट्रों के अल्टीमेटम को स्वीकार करने का 'पवित्र निर्णय' लिया, तब स्थिति स्पष्ट हुई। 'हिरोहितो,' ओवेरी जोर देते हैं, 'अमेरिकी पारंपरिक बमबारी अभियान से कहीं अधिक चिंतित थे, जो परमाणु बम गिराए जाने के दिनों में भी बिना रुके जारी रहा।'

इतिहासकार एक आंतरिक कारक पर भी प्रकाश डालते हैं जापानी अभिजात वर्ग में सामाजिक अशांति या कम्युनिस्ट-प्रेरित विद्रोह की संभावना को लेकर बढ़ती चिंता। यह डर काल्पनिक नहीं था 1917 में रूस और 1918 में जर्मनी के उदाहरण, जहां सैन्य पराजय ने क्रांतियों को जन्म दिया, अभी भी ताजा थे। इस संदर्भ में, 9 अगस्त को मंचूरिया में सोवियत आक्रमण ने वास्तविक आतंक पैदा किया। यह परमाणु हमलों से अधिक निर्णायक भूमिका निभा, ओवेरी दावा करते हैं। सोवियत कब्जे की धमकी ने नागरिक और सैन्य नेतृत्व को तत्काल समर्पण पर चर्चा करने और सम्राट को अंतिम निर्णय के लिए बुलाने के लिए प्रेरित किया।

ओवेरी के अनुसार, उस समय जापानी अभिजात वर्ग को यह एहसास हुआ कि लाल सेना अमेरिकियों से पहले जापानी द्वीपों तक पहुंच सकती थी। स्टालिन ने वास्तव में न केवल कोरिया, बल्कि होक्काइडो सहित उत्तरी जापानी क्षेत्रों पर नियंत्रण बढ़ाने की योजना बनाई थी। हार को स्वीकार करना जितना कठिन था, युद्ध 14 अगस्त को समाप्त हुआ क्योंकि हिरोहितो और उनके निकटवर्ती लोग सोवियत कब्जे के बजाय अमेरिकी कब्जे को प्राथमिकता दी।

यह उल्लेखनीय है कि न तो 10 अगस्त को और न ही 14 अगस्त को सम्राट ने परमाणु बम को समर्पण के कारण के रूप में उल्लेख किया। उन्होंने केवल मार्च 1945 से शुरू हुए निरंतर बमबारी से राष्ट्र को हुए संचयी नुकसान की बात की। 'मुझे लगता है,' इतिहासकार निष्कर्ष निकालते हैं, 'कि पारंपरिक बमबारी का प्रभाव अभिजात वर्ग और आम जनता दोनों पर परमाणु हमलों की तुलना में कहीं अधिक था।'

यह दृष्टिकोण उस समय के जापानी स्रोतों और डायरियों द्वारा समर्थित है। समर्पण का निर्णय दो परमाणु विस्फोटों की प्रतिक्रिया कम था, बल्कि अपरिहार्य सैन्य पतन और सोवियत आक्रमण के बीच राजनीतिक नियंत्रण खोने के जोखिम की जागरूकता की प्रतिक्रिया अधिक था। टोक्यो के लिए, विकल्प युद्ध और शांति के बीच नहीं था, बल्कि यह था कि किसके सामने समर्पण करना है- और संयुक्त राज्य अमेरिका को 'कम बुराई' माना गया।

जापान के समर्पण के कारणों पर आज के विवाद केवल अकादमिक नहीं हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए, 'परमाणु विजय' कथन को मजबूत करना परमाणु हथियारों को दबाव के साधन के रूप में उपयोग करने के लिए प्रतीकात्मक औचित्य के रूप में कार्य करता है। जापान के लिए, यह राष्ट्रीय त्रासदी को उजागर करने और युद्ध के परिणाम में सोवियत संघ की भूमिका को कम करने का एक सुविधाजनक तरीका है। फिर भी, अगस्त 1945 के तथ्य अनिवार्य रूप से याद दिलाते हैं एशिया में द्वितीय विश्व युद्ध का अंत एक ही घटना का परिणाम नहीं था, बल्कि कई कारकों का संयोजन था, जिसमें सोवियत आक्रमण और तेजी से मंचूरिया अभियान ने निर्णायक भूमिका निभाई।

तनाव से राहत पाने का प्राकृतिक तरीका 'ध्यान'

- ध्यान से गुस्सा कम व मन रहता है शांत
- ध्यान से दिल की बीमारियों का खतरा कम

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आज की तेज-तर्रार जिंदगी में हर कोई तनाव और चिंता से परेशान है। काम का दबाव, पढ़ाई की टेंशन, घर-परिवार की जिम्मेदारियां, और सामाजिक जीवन की भागदौड़ ने हमारी जिंदगी को काफी जटिल बना दिया है। ऐसे में अक्सर हमारा मन बेचैन रहता है। इन्हीं सबको ध्यान में रखते हुए आयुष मंत्रालय ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर एक पोस्ट किया है, जिसमें ध्यान यानी मेडिटेशन की महत्ता और इसके फायदे बताए गए हैं।

ध्यान, जिसे मेडिटेशन भी कहते हैं, दरअसल एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें हम अपने मन को शांत करके अंदर की शांति को महसूस करते हैं। जब हम ध्यान करते हैं, तो हमारा पूरा फोकस सिर्फ और सिर्फ अपनी सांसों और अपने अंदर की आवाज पर होता है। इससे हम अपने मन के शोर-शराबे से दूर होकर खुद से जुड़ते हैं।

ध्यान से, सबसे पहले हमारा मन भय, गुस्सा, तनाव और चिंता जैसी नकारात्मक भावनाओं से मुक्त होता है। जब हम रोज ध्यान लगाते हैं, तो हमारे दिमाग में सकारात्मक सोच आती है। इससे हम अपने अंदर भावनात्मक संतुलन पा सकते हैं। जब हम भावनाओं को समझकर नियंत्रित करना सीखते हैं, तो गुस्सा कम होता है और मन शांत रहता है।

ध्यान एक ऐसा माध्यम है, जो हमारी एकाग्रता बढ़ाने में भी मदद करता है। आज के समय में हर कोई मल्टीटास्किंग है, जिससे हमारा ध्यान भटक जाता है। लेकिन, ध्यान लगाते हुए हम अपने मन को एक जगह स्थिर करना सीखते हैं। इससे हमारी याददाश्त बेहतर होती है और हम मुश्किल कामों को भी आसानी से कर पाते हैं। इसके साथ ही, ध्यान हमारी इच्छाशक्ति को भी मजबूत करता है। जब मन शांत और सशक्त होता है, तो हम अपने लक्ष्यों को पाने के लिए अधिक मेहनत और लगन से काम कर पाते हैं।

ध्यान का एक और बड़ा फायदा है कि यह शरीर और मन को आराम देता है। जब हम दिनभर की भागदौड़ के बाद ध्यान लगाते हैं, तो हमारा शरीर आराम महसूस करता है और थकावट दूर होती है। यह शरीर की ऊर्जा को फिर से बढ़ाता है, जिससे हम तरोताजा महसूस करते हैं।

ध्यान करने का तरीका

इस प्रक्रिया में बस एक सरल तरीका अपनाना होता है, अपनी आंखें बंद कर लेना, धीरे-धीरे गहरी सांस लेना और अपने सारे विचारों को धीरे-धीरे शांत करना। जैसे ही हमारा मन शांत होता है, हमारे अंदर एक सुखद और स्थिरता का अनुभव होता है। ध्यान की यह प्रक्रिया हमें न केवल मानसिक रूप से बल्कि शारीरिक रूप से भी बेहतर बनाती है। आज के समय में वैज्ञानिक भी मेडिटेशन के फायदे मानते हैं। कई शोधों से पता चला है कि नियमित ध्यान करने से न केवल तनाव और चिंता कम होती है, बल्कि नींद की समस्या भी दूर होती है। कई लोग जिनको रात में ठीक से नींद नहीं आती, उनके लिए ध्यान एक आसान और प्रभावी उपाय हो सकता है। जब हमारा मन शांत होता है, तो हम जल्दी सो पाते हैं और अच्छी नींद भी लेते हैं।

संपादक की कलम से

किसी के जाने के बाद भी बची रह सकती है जिंदगी

किसी भी व्यक्ति के लिए जीवन का सबसे अनमोल उपहार क्या हो सकता है, उसके लिए जीवन में सबसे बड़ा चमत्कार क्या हो सकता है, उसके लिए सबसे बड़ी सेवा का कार्य कौन-सा हो सकता है और उसके लिए जीवन में सबसे बड़े गर्व का विषय क्या हो सकता है..! ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका यदि सबसे सटीक जवाब देना हो, तो निश्चित रूप से इन प्रश्नों का उत्तर होगा- 'अंगदान'। गौरतलब है कि एक ऐसा व्यक्ति, जो दोनों हाथों या पैरों अथवा आंखों के नहीं होने के कारण बेबसी भरा जीवन जीने के लिए बाध्य हो या जो व्यक्ति कार्निया, हृदय, फेफड़े, यकृत, गुर्दे और अग्न्याश्य आदि में से किसी अंग के अभाव में जीवन की अंतिम घड़ियां गिन रहा हो, क्या उसके लिए अंगदान जीवन का सबसे अनमोल उपहार और सबसे बड़ा चमत्कार साबित नहीं होगा?

इसी प्रकार, पूर्ण रूप से स्वस्थ व्यक्ति के लिए 'अंगदान' सबसे बड़ी सेवा और गर्व का विषय होना चाहिए। गौरतलब है कि यदि मार्च 2013 में महाराष्ट्र के छिंदवाड़ा निवासी एक परिवार ने शोक की घड़ी में दिमागी तौर पर मृत (ब्रेन-डेड) अपने अठारह वर्षीय पुत्र के अंगदान करने का निर्णय नहीं लिया होता, तो मृत्यु की गर्त में समाने के लिए मजबूर नागपुर के दो लोगों में गुर्दे प्रत्यारोपित कर जीवन का सबसे अनमोल उपहार नहीं दिया जा सकता था।

ऐसे तमाम लोग जो अपने जीवन के सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण क्षणों में भी मानवता के हित और सहजीवन के उत्कर्ष को महत्त्व देते हुए अंगदान करने का निर्णय लेते हैं, वे सदा-सर्वदा धन्यवाद और सम्मान के अधिकारी रहेंगे। हालांकि, मार्च 2013 में वह परिवार अपने पुत्र के अंगदान के पक्ष में नहीं था, लेकिन अब वे मानते हैं कि बेटे के अंगदान का निर्णय अच्छा था। अब जब भी बेटे के कारण नया जीवन पाने वाला युवक और उसका परिवार मिलने आता है, तो लगता है कि उनका बेटा ही मिलने आया हो। यह अंगदान के महत्त्व को दर्शाता है।

इसी प्रकार, गुजरात के वलसाड की नौ वर्षीय एक बच्ची को दिमागी तौर पर मृत घोषित किए जाने के बाद चिकित्सकों के प्रेरित करने पर उसके परिजनों ने बच्ची के अंगदान किए। इससे पांच लोगों को नई जिंदगियां मिलीं। इनमें नवसारी के तेरह साल के एक किशोर को एक गुर्दा और अहमदाबाद के दो लोगों को दूसरे गुर्दे तथा लिवर से नया जीवन मिला। वहीं, बच्ची के फेफड़ों ने तमिलनाडु की एक बच्ची में नई जान भरने, जबकि उसके हाथों ने मुंबई की एक अन्य बच्ची को नया जीवन देने का कार्य किया।

इसी वर्ष, रक्षाबंधन पर जब मुंबई की बच्ची खुद को अंगदान करने वाली बच्ची के घर उसके सगे भाई को राखी बांधने पहुंची, तो उसकी मां उस बच्ची के शरीर में जुड़े अपनी बेटी के हाथों को चूम कर रोने लगीं। यह देख वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें नम हो गई। यानी अंगदान करने वाली बच्ची इस दुनिया में नहीं है, लेकिन वह दो परिवारों का जीवन रोशन कर रही है। बहरहाल, इस तरह की कहानियों की तरह देश में अंगदान वाली कई प्रेरणादायक कहानियां हैं, लेकिन जरूरत हजारों-लाखों की है।

दुर्भाग्य से, भारत में अंगदान को लेकर जागरूकता का बेहद अभाव है। देश में मौजूद अनेक प्रकार की भ्रामक धारणाएं अंगदान के विरुद्ध बड़ी चुनौती साबित होती रही हैं। यही कारण है कि देश में अंगदान के प्रति सकारात्मक वातावरण नहीं है। जबकि एक व्यक्ति अंगदान के माध्यम से अधिकतम आठ लोगों का जीवन बचा सकता है।

भारत में अंग-प्रत्यारोपण की मांग और अंगदाताओं की संख्या में भारी अंतर होने से अंग-प्राप्ति के लिए प्रतीक्षारत लोगों का जीवन दुश्वार होता जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसका सबसे बड़ा कारण दिमागी तौर पर मृत रोगियों से अंगदान के प्रति जागरूकता की कमी है। देश में पचासी फीसद अंगदान जीवित व्यक्तियों, यानी परिजनों द्वारा और केवल पंद्रह फीसद 'ब्रेन-डेड' रोगियों से होता है, जबकि नब्बे फीसद अंगदान दिमागी तौर पर मृत रोगियों से होने चाहिए।

'नेशनल आर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन' (एनओटीटीओ) के अनुसार, देश में प्रत्येक वर्ष लगभग 1.8 लाख लोग गुर्दे पूरी तरह खराब होने, अस्सी हजार लोग यकृत पूरी तरह खराब हो जाने और पचास हजार लोग हृदय रोगों के कारण अंग-प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा में रहते हैं, जबकि भारत में अंगदान की दर प्रति दस लाख लोगों पर केवल 0.86 फीसद है, जो वैश्विक औसत से बहुत कम है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के आंकड़े बताते हैं कि भारत में अंगों की अनुपलब्धता के कारण प्रतिवर्ष पांच लाख लोगों की मौत हो जाती है।

इनमें से दो लाख यकृत की, डेढ़ लाख गुर्दा संबंधी और पचास हजार लोग हृदय की बीमारियों से प्रतिवर्ष जान गंवा बैठते हैं। तात्पर्य यह कि अंगदान और प्रत्यारोपण की दिशा में प्रगति तो हो रही है, लेकिन मांग और आपूर्ति के बीच खाई नहीं मिट रही।

इस खाई को पाटने के लिए प्रचार माध्यमों और सोशल मीडिया के जरिए देश भर में अंगदान के प्रति लोगों को जागरूक करना लाभकारी साबित हो सकता है। इसी प्रकार, विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों, योजनाओं, पाठ्यचर्या आदि के जरिए बच्चों, किशोरों और युवाओं को जागरूक किया जा सकता है। इसके अलावा, दुनिया भर में सर्वाधिक अंगदान करने वाले देश स्पेन की 'आप्ट-आउट' प्रणाली भी भारत में अंगदान को बढ़ाने के कार्य में एक बड़ा कदम साबित हो सकती है। इस प्रणाली के अनुसार स्पेन में प्रत्येक व्यक्ति जन्मजात अंगदाता होता है।

हालांकि भारत जैसे विविधता वाले देश में इसे लागू करना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार का इसी वर्ष एक जुलाई से अंगदाताओं के पार्थिव शरीर को 'गार्ड आफ ऑनर' से सम्मानित करने का निर्णय अत्यंत ही महत्त्वपूर्ण एवं प्रेरक कदम माना जा सकता है। यह निश्चित रूप से अंगदान को बढ़ावा देने में सहायक साबित होगा। इसी तरह राष्ट्रीय स्तर पर अंगदान करने वाले लोगों और उनके परिजनों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करना और उन्हें सम्मानित करना अंगदान के मामले में 'मील का पत्थर' साबित हो सकता है। अंधविश्वास आदि सामाजिक विकृतियों के विरुद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करने के लिए समुदाय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना तथा सभी सरकारी, गैर-सरकारी अस्पतालों में अंगदान के लिए अनुकूल एवं आधुनिक व्यवस्था करना भी जरूरी है, ताकि यथासमय स्वस्थ एवं सुरक्षित अंगदान सुनिश्चित किया जा सके। अंगदान जैसे मानवीय अभियान को सफल बनाने के लिए ढांचागत व्यवस्था को आधुनिक बनाने के अलावा इस कार्य को राष्ट्र, संस्कृति और समाज के लिए सम्मान और गौरव का प्रतीक बनाने की भी आवश्यकता है।

इससे अंगदान करने वाला प्रत्येक व्यक्ति या उसके परिजन इस बात के लिए संतुष्ट और निश्चिंत रहेंगे कि उसने अपने अंगों का दान उचित समय और स्थान पर किया है। साथ ही, वे सम्मानित और गौरवान्वित भी महसूस कर सकेंगे। इसके लिए जरूरी है कि इस अभियान से देश के नामचीन एवं प्रभावशाली लोगों, आध्यात्मिक विभूतियों, सामाजिक संस्थानों और सामुदायिक संगठनों को जोड़ा जाए, जो अंगदान के लिए प्रेरित करने में बड़ी भूमिकाएं निभा सकते हैं।

वोट चोरी पर शोर मचा रहे राहुल अपने नेता की चोरी पर खामोश क्यों

अजय कुमार

बीजेपी नेताओं का कहना है कि एक आम नागरिक अगर दो वोटर कार्ड के साथ पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई होती है। सवाल यह है कि पवन खेड़ा जैसे कद्दावर नेता और उनकी पत्नी पर अब तक कोई कठोर कदम क्यों नहीं उठाया गया। विरोधियों ने चुनाव आयोग से इस प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है और दावा किया है कि यह लोकतंत्र के लिए खतरे का संकेत है। ऐसे वक्त में जब देश में हर राज्य में मतदाता सूची को शुद्ध करने की कवायद चल रही है, तब एक बड़े सार्वजनिक चेहरे से जुड़ा यह मामला प्रशासन और आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़ा करता है यह है कि दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस इस पूरे विवाद पर अब तक चुप है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रवक्ता पवन खेड़ा इन दिनों एक बार फिर सियासी हलचल के केंद्र में हैं। मामला बेहद गंभीर है, क्योंकि समाचार रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि पवन खेड़ा और उनकी पत्नी, दोनों के पास अलग-अलग क्षेत्रों से दो-दो वोटर कार्ड मौजूद हैं। यह एक चुनावी व्यवस्था से जुड़ा ऐसा मुद्दा है, जो सीधे तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पवित्रता और विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है। वोटर कार्ड नागरिकता और मताधिकार का मूल आधार है, और यदि किसी बड़े नेता के पास उसकी एक से अधिक प्रतियां हों तो न सिर्फ क़ानूनन यह आपराधिक कृत्य माना जाएगा, बल्कि राजनीतिक दृष्टि से भी भारी विवाद का कारण बनेगा। इस खुलासे के सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर तीखे हमले शुरू कर दिए हैं। बीजेपी प्रवक्ताओं ने कहा है कि जब कांग्रेस के बड़े नेताओं के घर से ही इस तरह के मामले प्रकाश में आ रहे हैं तो आम कार्यकर्ताओं और समर्थकों के बीच किस तरह की मान्यताएं बन रही होंगी, इसकी कल्पना की जा सकती है। बीजेपी के मुताबिक, यह केवल कानूनी उल्लंघन नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी की उस सोच का उदाहरण है, जिसमें नैतिक मूल्यों की कोई जगह नहीं है। सत्ता के लिए किसी भी हद तक जाने का आरोप लंबे समय से कांग्रेस पर लगता रहा है और अब यह मामला उस धारणा को और मजबूत कर रहा है।

बीजेपी नेताओं का कहना है कि एक आम नागरिक अगर दो वोटर कार्ड के साथ पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई होती है। सवाल यह है कि पवन खेड़ा जैसे कद्दावर नेता और उनकी पत्नी पर अब तक कोई कठोर कदम क्यों नहीं उठाया गया। विरोधियों ने चुनाव आयोग से इस प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है और दावा किया है कि यह लोकतंत्र के लिए खतरे का संकेत है। ऐसे वक्त में जब देश में हर राज्य में मतदाता सूची को शुद्ध करने की कवायद चल रही है, तब एक बड़े सार्वजनिक चेहरे से जुड़ा यह मामला प्रशासन और आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़ा करता है दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस इस पूरे विवाद पर अब तक चुप है। पार्टी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है और न ही राहुल गांधी या शीर्ष नेतृत्व ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस प्रवक्ता आम तौर पर किसी भी मुद्दे पर तत्काल मीडिया के सामने आते हैं, लेकिन पवन खेड़ा का मामला उठने के बाद मानो एक सामूहिक चुप्पी साध ली गई है। राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि कांग्रेस नेतृत्व की यह खामोशी कई संदेश देती है। पहला, या तो पार्टी असहज है और सार्वजनिक रूप से अपने वरिष्ठ नेता को बचाव की स्थिति में नहीं डालना चाहती, या फिर कांग्रेस खुद अंदरूनी स्तर पर इस प्रकरण की तहकीकात कर रही है और उसके बाद ही कोई फैसला करेगी।

राहुल गांधी को लेकर विपक्ष ने अक्सर यह आरोप लगाया है कि वे गंभीर मुद्दों पर चुप रहते हैं और नेतृत्व का दायित्व निभाने में विफल रहते हैं। अब पवन खेड़ा प्रकरण उसी आरोप को और प्रबल करता दिखता है। बीजेपी बार-बार यह कह रही है कि जो पार्टी अपने नेताओं की कार्यशैली पर जवाबदेही तय नहीं कर सकती, वह देश और लोकतंत्र के लिए किस तरह की जिम्मेदारी निभा पाएगी। भाजपा ने इसे कांग्रेस के चरित्र और संस्कृति का प्रतीक बताकर जनता के बीच इसे बड़ा मुद्दा बनाने की रणनीति बना ली है। कांग्रेस की चुप्पी इस मामले को और गंभीर बना रही है। आम मतदाता भी यह सोचने को मजबूर है कि यदि पार्टी नेतृत्व साफ़ शब्दों में अपना रुख नहीं रखता तो इसका मतलब कहीं न कहीं कमी को स्वीकार करने जैसा है। वहीं कांग्रेस समर्थक दबी जुबान में यह तर्क देते हैं कि कई बार तकनीकी कारणों से या स्थान परिवर्तन के चलते नागरिकों के पास गलती से एक से अधिक वोटर कार्ड बन जाते हैं, और यह जरूरी नहीं कि हर बार यह जानबूझकर धोखाधड़ी के मकसद से हुआ हो। लेकिन चूंकि पवन खेड़ा एक बड़े राष्ट्रीय नेता हैं, इसलिए उनका मामला साधारण मानवीय भूल की श्रेणी से ऊपर उठकर राजनीतिक हथियार बन गया है। बीजेपी ने यह मुद्दा केवल दिल्ली की राजनीति तक सीमित नहीं रखा, बल्कि विभिन्न राज्यों में अपने संगठनात्मक ढांचे से इसे भुनाने की कोशिश की है। बीजेपी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस नेताओं का चरित्र उजागर हो चुका है और जनता को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वोट की पवित्रता का सम्मान कौन कर रहा है और कौन उसे दागदार बना रहा है। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ता असमंजस की स्थिति में हैं कि इस विवादित प्रकरण पर पार्टी किस तरफ झुकेगी अपने प्रवक्ता को खुला समर्थन देगी या कानूनी कार्रवाई के लिए जगह बनाएगी।

कुल मिलाकर, पवन खेड़ा और उनकी पत्नी के पास दो-दो वोटर कार्ड होने का मामला सिर्फ एक व्यक्तिगत चूक नहीं रहा, बल्कि यह कांग्रेस की राजनीति और उसके नेतृत्व की जिम्मेदारी पर बड़े प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहा है। बीजेपी ने इसे हमला बोलने का सशक्त हथियार बना लिया है, जबकि कांग्रेस नेतृत्व की ओर से जारी चुप्पी ने संदेह और गहरा कर दिया है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि चुनाव आयोग इस पर क्या निर्णय लेता है और क्या कांग्रेस अंततः कोई आधिकारिक रुख स्पष्ट करने के लिए आगे आती है, या फिर यह प्रकरण धीरे-धीरे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच धुंधला हो जाएगा। इस मामले में चुनाव आयोग, कानूनी विशेषज्ञों और राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भारत में चुनाव संबंधी कानून बेहद स्पष्ट हैं।

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 17 और 18 के मुताबिक, किसी भी व्यक्ति का नाम एक ही समय में दो स्थानों की वोटर लिस्ट में नहीं हो सकता है। यदि किसी व्यक्ति के पास दो मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी नंबर) पाए जाते हैं, तो वह गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है, जिसमें जुर्माने और जेल दोनो का प्रावधान हो सकता है। चुनाव आयोग बार-बार यह अपील करता रहा है कि नागरिक अपने नाम एक जगह से हटवाकर सही विधानसभा क्षेत्र में दर्ज कराएं। एक से अधिक वोटर कार्ड न रखें। आम नागरिकों से लेकर जनप्रतिनिधियों तक, सबके लिए यह नियम समान है और आयोग अपनी तरफ से डुप्लीकेट एंट्री हटाने के लिए लगातार रिवीजन करता रहता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर कोई आम व्यक्ति दो वोटर कार्ड रखता है और उसके खिलाफ शिकायत मिलती है, तो चुनाव आयोग पहले नोटिस भेजता है। अगर सही जवाब या संतोषजनक सफाई नहीं दी गई, तो कानूनी कार्रवाई, जेल और मतदान अधिकार निलंबित करने तक के कदम उठाए जा सकते हैं। कानूनी विशेषज्ञों की मानें तो अगर पवन खेड़ा और उनकी पत्नी के मामले में यह साबित हो जाए कि दोनों जगह जानबूझकर नाम लिखवाया गया, या फर्जी दस्तावेज का सहारा लिया गया, तो यह सिर्फ नैतिक ही नहीं, कानूनी दृष्टि से भी गंभीर मामला हो जाएगा, और इनकी चुनावी पात्रता भी प्रभावित हो सकती है।राजनीतिक विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि जिस स्तर का यह मामला है उसमें राष्ट्रीय पार्टी के प्रवक्ता और उनकी पत्नी के इस कृत्य के खिलाफ चुनाव आयोग की त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई की कसौटी भी एक परीक्षा है। यदि आयोग सिर्फ औपचारिक नोटिस भेजकर रह जाता है और निर्णायक कदम नहीं उठाता, तो इससे लोकतंत्र की साख पर असर पड़ता है। वहीं, यह भी तर्क रखा गया है कि कई बार जनता के पास दो वोटर कार्ड गलती से बन जाते हैं, ऐसे में व्यक्ति सामने आकर एक कार्ड सरेंडर कर सकता है, जिससे कानूनी उलझन से बचा जा सकता है। लेकिन जब ऐसे आरोप राजनीति के शीर्ष चेहरों पर लगें, और छुपाव या सफाई में कमजोर प्रतिक्रिया मिले, तो इससे सभी नेताओं की साख पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

उत्तम त्याग : सुपात्र को दें दान, त्यागें बुरी आदत, समय का दान करना भी जरूरी

डॉ. सुनील जैन 'संचय'

दसलक्षण महापर्व के आठवें दिन उत्तम त्याग धर्म की आराधना की जाती है। जो मनुष्य सम्पूर्ण पर द्रव्यों से मोह छोड़कर संसार , देह और भोगों से उदासीन रूप परिणाम रखता है उसके उत्तम त्याग धर्म होता है । सच्चा त्याग तब होता है जब मनुष्य पर द्रव्यों के प्रति होने वाले मोह , राग ,द्वेष को छोड़ देता है ।दान हमेशा स्व और पर के उपकार के लिए किया जाता है । श्रावक को स्वयं तो दान देना ही चाहिए अपने बच्चों को भी धर्म स्थल के गुल्लकों में रोज कुछ दान करने का अभ्यास करवाना चाहिए । उनके यह संस्कार उनके धर्म की वृद्धि में सहायक बनेंगे । गृहस्थ के छह आवश्यक कार्यों में दान प्रतिदिन का कर्तव्य कहा गया है । सांसारिक सुख सुविधाओं को भोगने की इच्छा न करना ही त्याग धर्म है।

आवश्कता से अधिक धन संग्रह न करना जीवन के लिए आवश्यक वस्तुओ के अतिरिक्त अन्य का त्याग करना अच्छे कर्मो को करना ही त्याग धर्म है। ऐसे कर्म करने से उत्तम त्याग की प्राप्ति होती है।

जैन परंपरा में दान चार प्रकार का बताया गया है। उत्तम पात्र को औषधि, शास्त्र, अभय, आहार दान देना चाहिए। धन की तीन गतियाँ हैं– दान, भोग और नाश। बुद्धिमत्ता इसी में है कि नष्ट होने से पहले उसे परोपकार में लगा दिया जाये। उत्तम कार्यों में दिया या लगाया हुआ धन ही सार्थक है, अन्यथा तो उसे अनर्थों की जड़ कहा गया है।आज दान के नए रूपों की भी आवश्यकता है जैसे श्रम दान , समय दान आदि । आज लोग धार्मिक कार्य के लिए पैसा जितना चाहे देने को तैयार हैं किन्तु समय और श्रम देना बहुत मुश्किल हो रहा है । इसलिए भलाई के काम में जो धन नहीं दे पा रहा है किन्तु समय दे रहा है और ईमानदारी से श्रम कर रहा है वह भी उस पुण्य का उतना ही हकदार है जितना धन देने वाला । त्याग और दान, अहंकार और बदले की भावना से नहीं करना चाहिये।

त्याग के बिना मनुष्य की शोभा नहीं होती। संसार में अधिकतर लोग अपनी ताकत और पैसे का व्यय इंद्रियों के पोषण और शरीर की रक्षा में करते हैं। परंतु बिरले लोग ही त्याग धर्म को अपनाकर आत्मिक निधि प्राप्त करते हैं।

भोग विलास की चीजों और क्रोध, मान, माया, लोभ का त्याग सबसे बड़ा माना गया है और महत्वपूर्ण भी ।त्याग करने से लोभ और मोह कम होता है । राग द्वेष से अपने को छुड़ाने का नाम त्याग है। त्याग और दान का सही प्रायोजन तभी सिद्ध होता है जब हम जिस चीज का त्याग कर रहे हैं या दान कर रहे हैं उसके प्रति हमारे मन में किसी प्रकार का मोह या मान सम्मान पाने का लोभ न हो।

दान और त्याग में फर्क यह है की दान अपने लिये थोड़ा रख कर, थोड़ा दिया जाता है, जबकि त्याग में पूरा का पूरा छोड़ा जाता है ।

दान दूसरे की अपेक्षा से दिया जाता है, त्याग किसी की अपेक्षा से नहीं सिर्फ वस्तु को छोड़ा जाता है ।

दान प्रिय चीजों का होता है, जैसे ङ्क जीवन दान, ज्ञान दान आदि ।

त्याग अप्रिय चीजों का जैसे ङ्क कमजोरियाँ, बुराईयाँ । त्याग और दान, अहंकार और बदले की भावना से नहीं करना चाहिये ।

आचार्यों ने कहा है कि सुपात्र को दिया दान-परम्परा से मुक्ति का कारण है। कुपात्र को दिया दान–कर्मबंध का कारण है, संसार को बढ़ाने वाला है। लेकिन वांछा से रहित दान, कर्मक्षय का कारण है। उत्तम त्याग धर्म-भव बंधन से छुड़ाने वाला, मुक्ति का सोपान है।

कविवर द्यानतराय जी तो यहाँ तक कहते हैं कि बिना दान के श्रावक और साधु दोनों ही बोधि यानि रत्नत्रय को प्राप्त नहीं करते।

बिन दान श्रावक साधु दोनों, लहै नाहीं बोधि को।।

हम सब भी अपनी-अपनी शक्ति अनुसार दान के भावों में प्रवृत्ति करते हुये उत्तम त्याग धर्म को धारण करे और मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर हों ।

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही आकषर्ण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यो ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है- जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है। उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकषर्ण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

राजनीति के खेत में स्मृतियों के बीज

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव

राजनीति का खेत बड़ा अजीब है। यह खेत न धरती की मिट्टी पर है, न आकाश की छाँव में - यह खेत कहीं खेतिहर गाँवों में भी नहीं, बल्कि जनता की चेतना की धरती पर फैला हुआ है। यहाँ न बैल चलते हैं, न सामान्य हल, न सिंचाई के साधन। यहाँ हल चलता है भाषणों के शोर से और बीज बोए जाते हैं स्मृतियों के।

नेता हर चुनाव से पहले अतीत की गठरी खोलते हैं। उसमें से झाड़-पोंछकर कुछ पुराने किस्से निकालते हैं - ÷पचास साल पहले तुम्हारे साथ क्या हुआ था÷, ÷सौ साल पहले किसने तुम्हें गुलाम बनाया था÷, ÷तुम्हारे पुरखों ने कैसी पीड़ा सही थी।÷ जनता की आँखों में यह सब भरकर वे अतीत की स्मृतियों को बीज की तरह ज़मीन पर बिखेर देते हैं।

यह बीज बड़े अद्भुत होते हैं। गेहूँ, चने या धान की तरह इनसे भोजन नहीं उगता, बल्कि उगते हैं नारे, उगते हैं झंडों के रंग, और उगती हैं भीड़ की उत्तेजनाएँ।

आज राजनीति का यह खेत और भी चमकदार हो गया है। सोशल मीडिया इसकी नई सिंचाई व्यवस्था है। अब नेता बीज नहीं बिखेरते, बल्कि ट्वीट और पोस्ट के रूप में ÷डिजिटल बीज÷ फैलाते हैं। एक अफ़वाह, एक भावुक वीडियो, एक पुराने भाषण की कतरन - और स्मृति फिर से ताज़ा हो जाती है।

जनता इस डिजिटल खेत में हर पल झूमती रहती है। व्हाट्सऐप का एक संदेश, फ़ेसबुक की एक पोस्ट, यूट्यूब का एक भाषण और पूरा गाँव, पूरा मोहल्ला यह मान लेता है कि यही सत्य है।

घोषणाएँ अब कागज़ पर नहीं, चमकदार वीडियो में आती हैं। नए पुलों की एनीमेशन, चमचमाते अस्पतालों की ग्राफ़िक्स, और ÷स्वर्ग समान भारत÷ के वादे - जनता इन पर ताली बजाती है। पर पाँच साल बाद वही पुल अधूरा, वही अस्पताल खाली और वही वादे हवा में झूलते रह जाते हैं।

जनता, भोली मिट्टी की तरह, हर बार इन बीजों को अपने श्रम और विश्वास से सींच देती है। उसे लगता है कि इस बार खेत सचमुच लहलहाएगा, उसकी थाली भरेगी। लेकिन जब फसल कटती है, तो हाथ आता है केवल भ्रम।

यहाँ सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जनता इस छल को बार-बार भूल जाती है। यही विस्मृति नेताओं की सबसे बड़ी ताक़त बन जाती है।

जनता को अपनी भूख तो याद रहती है, पर भूख का कारण कौन है - यह वह भूल जाती है। जनता को अपना अपमान तो चुभता है, पर अपमान करने वाले चेहरों को पहचानने में वह हर बार धोखा खा जाती है।

नेता जानते हैं कि जनता की स्मृति क्षणभंगुर है। वह जल्दी ही भूल जाती है कि पिछले चुनाव में किन वादों से उसे बहलाया गया था। पाँच साल पहले किस पुल का उद्घाटन हुआ था, कौन-सी सड़क का शिलान्यास हुआ था - इन सबकी याद जनता की स्मृति से ऐसे मिट जाती है, जैसे लिखा हुआ स्लेट बारिश से धुल जाता है। याद कीजिए, जब चुनाव के मौसम में बिजली, पानी और रोज़गार का मुद्दा सबसे ऊँची आवाज़ में उठाया गया था। मंचों से आश्वासन दिया गया कि हर घर रोशन होगा, हर खेत सिंचित होगा, हर हाथ को काम मिलेगा। जनता ने ताली बजाई, झंडे लहराए और भरोसा कर लिया।

श्रीजी की विमान यात्रा महोत्सव में जुटे श्रद्धालु

■ सुम्मेरा तालाब के घाटों पर हुआ श्रीजी का पारंपरिक जल विहार ■ पवित्र गंगाजल से हुए अभिषेक

ललितपुर। जल विहार के लिये निकले विमानजी की शोभायात्रा देखने उमड़ी भीड़।

ललितपुर। जनपद में सर्वमान्य सनातनी प्राचीन परम्पराओं में श्रीजी के जलविहार के जल विहार का अलग ही स्थान है। यह त्योहार बुधवार को अगाध श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया।
नगर में विमानजी की परंपरागत भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। सुम्मेरा तालाब पर ले जाकर विभिन्न मंदिरों के विग्रहों का गंगाजल से जलाभिषेक किया गया। इस वर्ष सुम्मेरा तालाब को जिला प्रशासन व नगर पालिका परिषद ने अत्याधुनिक व आकर्षक तरीके से सजाया था। फलस्वरूप घाटों पर इस बार के जल बिहार ऐतिहासिक रहा। नौकाओं में श्रीजी को सवार कर जल विहार कराया गया। विमानों के दर्शनार्थ श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। जल विहार पर्व को लेकर आज सुबह से ही सभी देवालयों में धार्मिक कार्यक्रम शुरू हो गए थे। मोहल्ला चौबयाना स्थित श्रीरघुनाथजी बड़ा मन्दिर से सबसे पहले विमानों की शोभायात्रा निकाली गई। इस यात्रा में आसपास स्थित देवालयों के विमान भी शामिल हो गए। रावरपुरा, महावरीपुरा, घंटाघर, सावरकर चौक पर अन्य देवालयों से आये विमानों का महामिलन हुआ। रावरपुरा में विमानों का सम्मलित होने के पश्चात इस ऐतिहासिक शोभायात्रा ने वृहद रूप धारण कर लिया। गाजे बाजे व शंख झालरों की झनकारों से गुंजायमान इस शोभायात्रा में श्रद्धालुओं का भक्तिभाव देखते ही बनता था। हजारों श्रद्धालु विमानजी को अपने कंधे पर उठाने को आतुर थे। जुलूस मार्ग के किनारे खड़े हजारों श्रद्धालु विमानों पर पुष्प वर्षा कर रहे थे। यह धारणा है कि श्रीजी के विमान को कंधा देने से मनुष्य पापों व कष्टों से मुक्ति मिलती है। पूरा नगर भगवान के जय कारों से गुंजायमान था। विमानों की शोभायात्रा घंटाघर, सावरकर चौक, तालाबपुरा होती हुई सुम्मेरा तालाब पहुँची। तालाब के घाटों पर गंगाजल से श्रीजी के अभिषेक किया गया। सुम्मेरा तालाब के सभी घाट व देवालय श्रद्धालुओं से पटे पड़े थे। कहीं भी तिल रखने को जगह नहीं थी। जल बिहार कार्यक्रम शंख झालर घड़ियालों की टंकार के मध्य सम्पन्न हुआ। जहां एक तरफ घाटों पर बैठे श्रद्धालु धार्मिक भजन गा रहे थे वहीं मंत्रोच्चार का दौर भी चल रहा था। जल बिहार के पश्चात भगवान को नौकाओं के द्वारा वापस घाटों पर लाये गये। नृसिंह मन्दिर रामलीला मैदान में सभी विमानों की शोभायात्रा सजायी गयी। सामूहिक रूप से मंगला आरती उतारी गयी।
इससे पूर्व निकली शोभा यात्रा में श्री रघुनाथ जी बड़ा मंदिर के अलावा श्रीजगदीश मंदिर, विजय राघवजी मंदिर, श्री रामराजा मंदिर, चण्डी माता मन्दिर नई बस्ती, सिद्ध मंदिर कंचनघाट, सीतापाठ मंदिर, गणेश मंदिर तालाबपुरा, रिसाला मंदिर आजादपुरा, पुरानी बजरिया, गुप्तेश्वर मंदिर, कौशल किशोर मंदिर कुश कुटी, जुगल किशोर मंदिर रामनगर, बलखण्डी मंदिर, बिहारी जी मंदिर, हनुमान मंदिर तखत घाट, तुवन मंदिर, राम मंदिर, राजा रामजानकी मंदिर, पंचमुखी हनुमान मंदिर रावतयाना, राजाराम मन्दिर सिवनीखुर्द, हनुमानगढ़ी मन्दिर नदीपुरा, हनुमान मंदिर महावीरपुरा, यदुकुल मन्दिर चांदमारी, मदन मोहन मंदिर, शिव मन्दिर विष्णु मंदिर, संकट मोचन मंदिर सिंचाई कालोनी, सिंह वाहिनी नेहरू नगर के अलावा विभिन्न देवालयों के विमान शामिल हुये। सुम्मेरा तालाब पर श्रीरामलीला हनुमान जयंती महोत्सव समिति द्वारा जल विहार की व्यवस्था की गई थी। प्रशासन द्वारा सुरक्षा व नगर पालिका द्वारा साफ-सफाई के चौकस प्रबंध किए गए थे। पुलिस व स्वयं सेवी संगठनों के पदाधिकारी श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करते रहे। शोभा यात्रा की वापसी पर कटरा बाजार गणेश प्रतिमा, चौबयाना सटक चौराहा पर गणेश महोत्सव समिति द्वारा विमानों की सामूहिक आरती उतारी गई। जल बिहार पर्व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। सुरक्षा की दृष्टि से भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर जिलाधिकारी अमनदीप डुली, पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन व एसडीएम सदर/प्रशासक नगर पालिका मनीष कुमार, अधिशाषी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा की देखरेख में व्यवस्थायें चौकस रहीं। नगर पालिका परिषद के द्वारा शहर में सफाई व्यवस्थाओं पर विशेष जोर रहा। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने में यातायात प्रभारी आलोक कुमार तिवारी व उनकी टीम तत्पर रही। इस अवसर पर अध्यक्ष बृजेश चतुर्वेदी, रमेश रावत, जगदीश पाठक, श्यामाकांत चौबे, राजेश दुबे, प्रबंधक हरविंदर सिंह सलूजा, अमित तिवारी, डा.प्रबल सक्सेना, राकेश तामिया, चंद्रशेखर राठौर, भरत रिछारिया, रवीन्द्र दिवाकर आदि हजारों श्रद्धालु मौजूद रहे।

उधारी का रुपया वापस मांगने पर मारपीट, मोबाइल तोड़ा

ललितपुर। अमरपुर चौकी क्षेत्रांतर्गत ग्राम लखनपुरा अंतर्गत मजरा नन्दीपुरा में रहने वाले उमेश यादव पुत्र मूलचन्द्र ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि उससे ग्राम ककरूआ निवासी शेखर ने फोन कर अपने उधारी के 1500 रुपये लिया था। इस पर शेखर ने उसे 2-3 दिन में रुपये वापस करने को बोला था। बताया कि वह नेहरू नगर में पाइप लाइन का कार्य कर रहा है, जिस कारण वह नेहरूनगर में किराये से निवासरत है। बताया कि 1 सितम्बर को रात करीब 10 बजे उसे रुपयों की आवश्यकता थी, जिस पर वह शेखर के पास रुपये मांगने पहुंचा, जहां शेखर ने उसे स्टेशन के पास स्थित एक लॉज के पास बुलाया। जब वह उक्त स्थान पर पहुंचा और अपने रुपये वापस मांगे तो उक्त व्यक्ति ने नाराज होकर अपने एक साथी के साथ मिलकर उसके साथ गालियां देते हुये मारपीट कर दी और उसका मोबाइल भी तोड़ दिया। इस हमले में उसे काफी चोटें आयीं हैं। मौके पर मौजूद उसके छोटे भाई सतीश ने बचाव किया तो उसके साथ भी मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी दी गयी। पुलिस ने शेखर व अज्ञात के खिलाफ पीड़ित की तहरीर पर बीएनएस की धारा 115 (2), 324 (2), 351 (3) व 352 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

सफल रहा साँसद अनुराग शर्मा का प्रयास : धौर्रा स्टेशन पर झेलम एक्सप्रेस का ठहराव शुरू

जनता ने किया ट्रेन कार ऐतिहासिक स्वागत

ललितपुर। धौर्रा रेलवे स्टेशन पर झेलम एक्सप्रेस का स्वागत करते लोग।

ललितपुर। धौर्रा रेलवे स्टेशन के इतिहास में बुधवार का दिन स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया। पुणे-जम्मू तवी झेलम एक्सप्रेस 11077/11078 का प्रथम ठहराव कोविड के बाद से शुरू हो गया। धौर्रा वासियों पुरानी माँग पूरी होने पर सैकड़ों ग्रामीणजन, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा स्थानीय नागरिक एकत्र हुए और ट्रेन का भव्य स्वागत किया।
क्षेत्रीय साँसद अनुराग शर्मा के निरंतर प्रयास से मिली इस सफलता को ग्रामीणों ने दिल से सराहा। इसके लिये साँसद ने ई बार रेल मंत्री से मुलाकात की और क्षेत्र की आवश्यकताओं को विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। उनके अथक प्रयासों और जनता की भावनाओं को देखते हुए अंततः रेल मंत्रालय द्वारा धौर्रा स्टेशन पर झेलम एक्सप्रेस के ठहराव को स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्यक्रम की अगुवाई उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री श्री मनोहर लाल पंथ ने की। राज्यमंत्री ने कहा कि साँसद के अथक प्रयासों से आज धौर्रा स्टेशन को झेलम एक्सप्रेस का ठहराव प्राप्त हुआ है।

सर्वाधिक बूथ कमेटी बनाने वाले का होगा सम्मान

वरिष्ठ कांग्रेसी कमलापति त्रिपाठी की जयन्ती मनायी

ललितपुर। कार्यालय पर कार्यक्रम करते काँग्रेसी।

ललितपुर। जिला कांग्रेस कमेटी कि मासिक बैठक कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में सबसे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री स्व.कमलापति त्रिपाठी कि जयंती मनाई गयी। जिलाध्यक्ष दयाराम रजक ने कहा कि कमलापति के कार्यकाल में प्रदेश ने विकास किया तथा उनके प्रयास से प्रदेश मे बिजली कारखाने, सड़कों के निर्माण तथा प्रदेश में किसानों की सिंचाई के लिए बड़े-बड़े बांधों का निर्माण किया गया। कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। बैठक में संगठन सृजन को लेकर सभी मंडल अध्यक्षों को निर्देश दिये कि वह अपने अपने मण्डल की बूथ कमेटी को अति शीघ्र बनाकर भेजे। जिलाध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि सभी कार्यकर्ता शीघ्र ही अपने अपने बूथ की कमेटी बना कर अपने अपने प्रभारियों को दे दें, जिससे शीघ्र ही जिला से बूथ तक संगठन तैयार हो सके। कहा गया कि जो भी पदाधिकारी व कार्यकर्ता बूथों की कमेटी ज्यादा से ज्यादा बनाकर देगा उसका जिला और प्रदेश कार्यालय मे सम्मान किया जायेगा। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष पंकज हुण्डैत ने किया। बैठक में रफीक अली, दरयाव सिंह, गजेंद्र सिंह, खलकसिंह राजपूत, रामदेवी विश्वकर्मा, सीताराम राय, मोनू रजक, उदलसिंह चंदेल, रामसिंह यादव, हरदेवसिंह राजपूत, दीपक रायकवार, बहादुर सिंह, जगन्नाथ, मनोहरलाल अहिरवार, संतोष पाल, शाकिर, महेश चंद्र, असलम खान आदि उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

एसपी ने कार्यालय का किया नियमित निरीक्षण

ललितपुर। एसपी मो.मुश्ताक ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय का निरीक्षण कर प्रधान लिपिक, डीसीआरबी, आंकिक आदि शाखाओं का निरीक्षण कर अभिलेखों, रजिस्टरों एवं अन्य दस्तावेजों का गहनता से अवलोकन कर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक ने कार्यालय की कार्यप्रणाली में और अधिक पारदर्शिता एवं दक्षता लाने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने अभिलेखों के सही रख-रखाव, समयबद्ध प्रविष्टि तथा रिकॉर्ड की नियमित जांच पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने कार्यालय की साफ-सफाई एवं अनुशासन बनाए रखने की भी सराहना की एवं सतत सुधार की प्रक्रिया को अपनाने के निर्देश दिए।

क्रेटा कार से टकराकर लेखपाल घायल, एफआईआर

ललितपुर। तहसील परिसर महरौनी में तैनात राजस्व लेखपाल मोनू चौधरी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीती 1 सितम्बर को वह ललितपुर से महरौनी अपने अन्य साथी लेखपाल अंकुर शर्मा के साथ मोटर साइकिल संख्या यू.पी.94 ए.जे. 8433 से महरौनी तहसील जा रहा था। तभी ग्राम मसौरा के पास तेज रफ्तार क्रेटा गाड़ी संख्या यू.पी. 94 जेड 0025 ने पीछे से टक्कर मार दी और भाग गया। इस घटना में उसका साथ लेखपाल गंभीर रूप से घायल हो गया। एम्ब्युलेंस के जरिए घायल लेखपाल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने राजस्व लेखपाल की तहरीर पर उक्त कार चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125 (बी) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

गढ़ौलीकलां गांव से पकड़े चार जुआरी

ललितपुर। मड़ावरा पुलिस ने गश्त के दौरान चार जुआरियों को पकड़ा है। जुआरियों के पास से नकदी, ताश के पत्ते भी बरामद किये हैं। जुआरियों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गयी है। मड़ावरा थाने में तैनात उप निरीक्षक दिनेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि वह अपने हमराही हे.कां. प्रदीप कुमार के साथ गश्त कर रहे थे। मुखबिर की सूचना पर ग्राम गढ़ौलीकलां में महेन्द्र के मकान में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची पेड़ के नीचे जुआ खेल रहे लोगों को धर दबोचा। पकड़े गये जुआरियों के नाम ग्राम गढ़ौलीकलां निवासी अर्जुन सिंह पुत्र प्रेमसिंह, राजेश पुत्र कूरे कुशवाहा, ग्राम करौदा निवासी आशीष सिंह पुत्र राजन सिंह लोधी व डोंगराखुर्द निवासी इन्द्रराज पुत्र प्रीतम सिंह लोधी बताया। पुलिस ने पकड़े गये जुआरियों की जामा तलाशी के दौरान 415 रुपये व माल फड़ से 1850 रुपये बरामद किये। पुलिस ने चारों जुआरियों के खिलाफ जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

ग्रामीणों ने प्रशासन से माँगा गौवंश अनुदान

ललितपुर। प्रशासन से अनुदान माँगने आये ग्रामीण।

ललितपुर। ब्लाक जखौरा अंतर्गत ग्राम पंचायत खड़ेरा व भैंसाई में रहने वाले किसानों ने जिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र देते हुये गौवंश योजना के तहत पाली गयी गौवंशों के भरण-पोषण के लिए अनुदान राशि दिलाये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन में बताया कि खड़ेरा व भैंसाई के करीब तीन दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने गौवंश योजना के तहत गौवंशों को पाला था। बताया कि विगत 10-11 माह से उक्त गौवंशों के भरण-पोषण के लिए अनुदान राशि नहीं दिलायी गयी है। इस कारण लाभार्थियों को गौवंशों के भरण-पोषण में भारी परेशानियां आ रहीं हैं और गौवंशों को भूसा-पानी आदि नहीं ले पा रहे हैं। ग्रामीणों ने लामबंद होकर जिला प्रशासन से गौवंशों के पालन के लिए योजना के तहत अनुदान राशि दिलाये जाने की मांग उठायी है। ज्ञापन देते समय पार्वती, गंगारानी, गनेश, जूजन, किरन, मजराबाई, सीमा, रूकमणि, शिवकुंवर, हज्जारा, प्रेमाबाई, कोमल, संध्या, ऊषा, शंकर के अलावा अनेकों ग्रामीण मौजूद रहे।

विश्वकर्मा पूजन महोत्सव के लिए कार्यालय का शुभारंभ

ललितपुर। आगामी 17 सितम्बर विश्वकर्मा भगवान पूजन महोत्सव को भव्य और दिव्यरूप प्रदान करने हेतु दैनिक विवेचना, रूपरेखा और सामाजिक केन्द्रीयकरण के लिए एक कैम्प कार्यालय का श्रीनामदेव मंदिर के सामने तालाबपुरा में संरक्षकगणों द्वारा शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर व्ही-5 के सभी संरक्षक, पदाधिकारी और समाजबंधु मनमोहन जड़िया, नवलकिशोर सोनी, लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा आचार्यजी, कैलाश नारायण झा, रज्जनलाल झा, संतोष सोनी, सोहनलाल विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष विजय डयोड़िया, अनूप ताम्रकार, लखनलाल विश्वकर्मा, जिला पंचायत सदस्य अमर विश्वकर्मा, जगदीश झा, प्रीतम बाबू, द्वारिका प्रसाद झा, कमल विश्वकर्मा, ताराचंद्र झा, विकास सोनी, सत्येंद्र विश्वकर्मा, मनीष झा, राजेश झा, रामप्रकाश झा, अमान विश्वकर्मा पेंटर, राकेश साहू, राजेश वस्त्रावन आदि उपस्थित रहे।

पीआरवी सिपाही से मारपीट कर वर्दी फाड़ी

■ चालक होमगार्ड को थप्पड़ मारकर दी जान से मारने की धमकी
■ सिपाही की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

ललितपुर। विवाद होने की सूचना मिलने पर पहुंची पीआरवी में तैनात सिपाही से गालियां देते हुये मारपीट कर वर्दी फाड़ने का मामला प्रकाश में आया है। प्रकरण को लेकर पीआरवी सिपाही ने दो नामजद समेत चार लोगों पर एफआईआर दर्ज करायी है। मूल रूप से हमीरपुर जिले की तहसील सरीला अंतर्गत ग्राम कछवा निवासी हे.कां. 1041 यशवेन्द्र राजपूत पुत्र शंकर सिंह ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि वह डायल 112 परियोजना पुलिस लाइन में तैनात है। बताया कि इवेंट की सूचना मिलने पर मंगलवार को वह 3.55 बजे पीआरवी 5196 में इवेंट नम्बर 0859 की सूचना पर डोंडाघाट गया हुआ था। यहां पहुंचकर उसने कॉलर व प्रतिवादी दोनों पक्षों को समझाया। सूचना से वापस आते समय प्रतिवादी मनीष पुत्र कैलाश नारायण, उसका दोस्त छोटू रजक पुत्र अशोक ने पीआरवी को रास्ते में रोक लिया और पीआरवी चालक होमगार्ड वीरन सिंह को थप्पड़ मार दिया। पीआरवी सिपाही ने जब छोटू रजक को समझाया तो वह समझने के बजाय उल्टा उसी से उलझ गया और गालियां देते हुये मारपीट कर दी। इस दौरान उसकी वर्दी फाड़ दी। घटना स्थल पर मौजूद मनीष पुत्र कैलाश नारायण व दो अज्ञात लोगों ने उसके साथ अभद्रता करते हुये कार्य सरकार में बाधा डालते हुये छोटू रजक को मौके से छुड़वाकर भगवा दिया। आरोप है कि दोबारा मोहल्ले में आने पर जान से मारने की धमकी दी गयी। पीआरवी सिपाही की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने छोटू रजक व मनीष के अलावा दो अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 126 (2), 121 (1), 132, 352, 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

प्रथम देहदान महोत्सव : अज्ञात मानव शव मेडीकल कॉलेज को कराया दान

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने कराया पुण्य कार्य

ललितपुर। प्रथम देहदान महोत्सव कराते संस्था पदाधिकारी।

ललितपुर। शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट ने अपनी ओर से एक अज्ञात शव स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडीकल कॉलेज) को दान कराया है।
मानव देह शरीर की संरचना की आंतरिक जानकारी के माध्यम से चिकित्सक बनाने की पहली सीढ़ी है। इससे एनाटॉमी विभाग द्वारा एम.बी.बी.एस. के विद्यार्थियों को पठन पाठन में मदद मिलती है। मानव देह ही एकमात्र माध्यम है जिसके द्वारा शरीर के विभिन्न अंगों पर रिसर्च कर उनके इलाज एवं सर्जरी ट्रेनिंग दी जाती तब कहीं डाक्टर बन पाते हैं। इसलिए मानव देह के बिना डाक्टर की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस मानव कल्याण के कार्य का बीड़ा उठाने वाली पहली संस्था शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट ललितपुर है। इस दौरान प्रधानाचार्य डा.मयंक शुक्ला, सीएमएस डा.गजेन्द्र सिंह, एनाटॉमी विभाग से डा.श्रुति सिंह, डा.के.के.मिश्रा, डा.मोनिका जायसवाल, डा.संध्या शाक्य, (संकल्पित देहदानी) जे.पी.यादव, गौरीशंकर सेन, द्रोपती सेन, राकेश सेन, चन्द्रप्रकाश श्रीवास्तव, सुमन श्रीवास्तव, नेहा श्रीवास्तव, मनोज राठौर के अलावा ट्रस्टी सुषमा साध, परवेज पठान, अंकुर जैन (सानू बाबा), अज्जू बाबा, अनिल साहू, चन्दे साहू, रामबाबू यादव, कृष्णपाल सिंह यादव, आदर्श साध मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन महासचिव राजपाल सिंह फौजी ने व आभार संस्थापक खुशालचन्द साहू ने जताया।

विद्युत संयोजन के साथ लगाओ मीटर

पिसनारी की महिलाओं ने डीएम को भेजा पत्र

ललितपुर। डीएम को पत्र देने आयी महिलाएं।

ललितपुर। घरेलू विद्युत संयोजन कर मीटर लगाये जाने की मांग को लेकर महिलाओं ने जिलाधिकारी को एक पत्र भेजा है। पत्र में बताया कि मोहल्ला पिसनारीबाग नहर की पटरी पर रहने वाले लोगों के घरों में आवेदन करने के बावजूद भी विद्युत संयोजन नहीं किये गये हैं। बताया कि यहां के लोगों ने विद्युत संयोजन के लिए ऑनलाइन आवेदन किये थे। यहां से विद्युत पोल की दूरी महज 60 मीटर है, लेकिन यहां आज तक न तो विद्युत संयोजन दिया गया है और न ही मीटर लगाये गये हैं। महिलाओं का आरोप है कि यहां जांच करने आने वाले लोगों द्वारा मीटर लगवाने के नाम पर अवैध तरीके से 10-10 हजार रुपयों की मांग की जाती है, जिसे न दे पाने के कारण न तो मीटर लगाये जा रहे हैं और न ही संयोजन दिये जा रहे हैं। महिलाओं ने जिलाधिकारी से मौके पर जांच करायी जाकर विद्युत संयोजन कराकर मीटर लगवाये जाने की मांग उठायी है। पत्र देते समय सूर्यकांत, भूरी, नीलेश, बब्बू राजा, रामराजा, पिंकी राजा, कमलेश, लली, रूबी, रामकुमारी, हरकुंवर, भारती, तेजकुमारी आदि मौजूद रहे।

विराट विमान सम्मेलन का हुआ उद्घाटन

मऊरानीपुर (झाँसी) प्रान्तीय मेला जलविहार के विराट विमान सम्मेलन का उद्घाटन श्री गहोई वैश्य नवयुवक सेवा मण्डल द्वारा नुनाई बाजार में किया गया । जिसके मुख्य अतिथि समाजसेवी श्याम बिहारी गुप्ता अध्यक्ष गौ सेवा आयोग उत्तर प्रदेश,
रामतीर्थ सिघंल एमएलसी, संदीप सरावगी वरिष्ठ समाजसेवी झाँसी, प्रदीप कुचया अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कोंच, सीताराम बिलैया वरिष्ठ समाजसेवी, अरविन्द्र रावत अध्यक्ष गहोई समाज नौगाँव, राकेश रखौल्या प्रचार मंत्री गंगा जमुना क्षेत्रीय महासभा, अजीत गुप्ता प्रदेश मंत्री उत्तर प्रदेश उधोग व्यापार मण्डल, पालिकाध्यक्ष मऊरानीपुर श्रीमती शशि श्रीवास, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मऊरानीपुर आयुष श्रीवास रहे। अध्यक्षता अवधेश नगरिया सरपंच गहोई समाज मऊरानीपुर एवं गोपालदास दमेले अध्यक्ष देवोत्थान प्रबन्ध समिति मऊरानीपुर ने की। अतिथियों के कर कमलों से दीप प्रज्जवलन किया गया। इसी के चलते भगवानों की पूजा अर्चना की गयी। वही विमानों का उद्घाटन के बाद भोग भी लगाया गया। नगर मऊरानीपुर सहित क्षेत्र के 23 मन्दिरों के विमान यहाँ रखे गये है। जो 6 सितम्बर तक विराजमान रहेगें। और 6 सितम्बर को यह विमान शोभायात्रा के साथ विहार के लिये निकलेगे।

जो जलविहार की रोनक बढाते हुये लोगों के घरों पर जाकर टीका करायेगें और पूरा नगर भ्रमण करेगें। उनका पूरे नगर में टीका किया जायेगा । यह परम्परा काफी पुरानी हो गयी है। विमानों में सबसे आगे बादशाहों के बादशाह गूदर बादशाह रहेगें। इस मौके पर शुभम वैध प्रधान, आशीष बिलैया, विशाल मोर, अश्वनी रखौल्या, संजय पहारिया, भगवान दास सेठ, रामबाबू पिपरसानिया, कैलाश नारायण बरसैया, मनीष कठिल अमित कनकने, मनीष लेखपाल, शिवम मोर, साकेत पहारिया, अंशुल कनकने आदि भारी संख्या में गहोई समाज के लोग उपस्थित रहे।

लॉर्ड कृष्णा कॉन्वेन्ट स्कूल में विराजे गजानन का विधि विधान से हुआ विसर्जन

मऊरानीपुर (झाँसी) लॉर्ड कृष्णा कॉन्वेन्ट स्कूल, मुहल्ला पुरानीबैलाई में एक सात दिवसीय गणेश महोत्सव में गणेश मूर्ति स्थापित कर विधि विधान के साथ स्कूली बच्चों के द्वारा गणेश जी का विसर्जन किया गया। बताते चले कि सात दिवसीय गणेश महोत्सव में विधार्थियों द्वारा सुबह शाम पूजन आरती विधि विधान के साथ की गयी। वही बच्चों ने प्रतिदिन एक न एक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। जिसमें नृत्य प्रतियोगियायें, खेल प्रतियोगितायें, रंगोली प्रतियोगितायें में प्रतिभाग किया। स्कूल से गणेश जी के विसर्जन यात्रा प्रारम्भ होकर सुखनई नदी घाट पर पहुँची वहाँ विसर्जन किया गया। इस मौके पर प्रबन्धक प्रदीप चौरसिया एड, प्रधानाचार्य श्रीमती श्रृंखला चौरसिया, उप प्रधानाचार्य श्रीमती रुपाली खरया, ज्योति मेम कॉर्डिनेटर, विनीता सिंह, हर्षिता शर्मा, करिश्मा झा, सोनिया पाठक, भावना विश्वकर्मा, काजल सिंह, हरिप्रिया, श्रेया, विशाखा, सौम्या, वर्षा, महक, सुतिक्षा, दिव्या , चंचल आदि उपस्थित रहे।

नगर में रखी गणेश प्रतिमाओं को दी गयी नम आँखों से विदाई

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर मऊरानीपुर में गणेश प्रतिमाओं को नम आँखों से विदाई दी गयी। नगर में सुबह से देर रात तक गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की कतारें लगी रही। जिसमें गणेश भक्त डीजों पर थिरकते हुये देखे गये और सुबह से देर रात तक श्री गणेशा ही होता रहा। पूरे नगर में बुधवार सुबह से देर रात तक गणेश प्रतिमाओं को देखने की भीड लोगों की सडकों पर एवं लोग अपने- अपने दरवाजों के बाहर खडे रहे और गणेश प्रतिमाओं को देखते नजर आये जिसमें गणेश भक्त गुलाल की होली खेलते हुये जोरदार डीजों पर थिरकते रहें। वही गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन होने से गणेश भक्तों में मायूसी देखी गयी जिन्होनें पूजा अर्चना के बाद अपने श्री गणेशा को विसर्जित किया। वही विसर्जन स्थलों पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम देखे गये । जिसके चलते गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। नगर मऊरानीपुर में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष अत्यधिक गणेश प्रतिमाओं को रखा गया था। हर मुहल्ले में गणेश प्रतिमाओं को रखा गया था वह भी एक मुहल्ले में काफी संख्या में गणेश प्रतिमायें रखने से पूरे नगर में काफी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया । जिसके चलते नगर में धार्मिक धूम काफी सुनायी दी। जिसके चलते गणेश जी की विदाई लोगों ने आँसू बहाकर उन्हें विदा किया। विदा करने में महिलायें भी सडकों पर थिरकते हुये विदा करती हुयी देखी गयी। इसी के चलते नगर में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन होने से बुधवार को पूरे दिन धार्मिक माहौल देखा गया। वही कुछ लोग बारस एवं अनन्त चतुर्दशी को भी गणेश विसर्जन करेगें।

शोधार्थी सौम्या खरे राज्यपाल द्वारा सम्मानित

गुरसरांय । क्षेत्र निवासी बृज किशोर खरे की छोटी पुत्री एवं बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी की प्रतिभाशाली शोधार्थी सौम्या खरे को राज्यपाल द्वारा सम्मानित किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष की लहर दौड़ गई। सौम्या खरे ने राजनीति विज्ञान विषय में च्भारतङ्कअमेरिका संबंध 21वीं सदी मेंः मोदी शासन के विशेष संदर्भ में अध्ययनज्ज विषय पर शोध कर शैक्षणिक जगत में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उनका यह शोध कार्य डॉ. रवि रमेशचंद्र शुक्ल (एसोसिएट प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली), डॉ. आर.बी. मौर्य (बी.के.डी. कॉलेज, झाँसी) तथा डॉ. संदीप सिंह (राजनीति विज्ञान विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी) के निर्देशन में पूर्ण हुआ।

अपने शोध में सौम्या खरे ने 21वीं सदी में भारतङ्कअमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में आए परिवर्तनों का सूक्ष्म अध्ययन किया है, विशेषकर 2014 के बाद मोदी शासनकाल में। उन्होंने रक्षा, व्यापार, तकनीक, ऊर्जा सहयोग, वैश्विक मंचों पर साझेदारी और कूटनीतिक समीकरणों के आधार पर दोनों देशों के संबंधों की गहराई को रेखांकित किया।

सौम्या की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के राम कुमार सिंह, गोविंद सिसौदिया, सरजू शरण पाठक,सुखदेव व्यास,अखिलेश तिवारी,संदीप श्रीवास्तव, कौशल किशोर, सोम मिश्रा, आयुष त्रिपाठी, हरिश्चंद्र नायक, सार्थक नायक, नितिन मोदी, बल्ले सोनी एवं शौकीन खान सहित अन्य लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएँ दीं।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने किया पैदल गस्त, संदिग्ध वाहनों/व्यक्तियों की चेकिंग

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में शान्ति व सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने के लिए चित्रकूट पुलिस के थाना व चौकी प्रभारियों ने थाना, चौकी क्षेत्र के मिश्रित आबादी क्षेत्र एवं भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर पैदल गस्त किया। पुलिस टीमों ने दुकानदारों, व्यापारीबंधुओ एवं क्षेत्रीय नागरिको से वार्ता कर लोगों को बदमाशों एवं ड्रोन उड़ने की अफवाहों से बचने, सावधान रहने एवं गांव में आने वाले अजनबी व्यक्तियों के साथ दुर्व्यवहार न करने के संबंध में विशेष रूप से जागरुक किया। पैदल गस्त के दौरान पुलिस टीम द्वारा सड़क पर हो रहे अतिक्रमण, शराब की दुकान, रेलवे स्टेशनों, होटल/ढाबा एवं दो व चार पहिया वाहन एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की।

जनसुनवाई में एसपी ने सुनी समस्याएं

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने पुलिस कार्यालय में आये हुये फरियादियों की शिकायतों को सुनकर शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए सम्बन्धित प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

परिवार परामर्श केन्द्र ने परिवार को टूटने से बचाया

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में सामाजिक रिश्तों को बचाने के लिए किये जा रहे प्रयासों के क्रम में थानाध्यक्ष महिला थाना नीलम देवी व उनकी टीम ने आपसी परिवारिक झगड़े को समाप्त कराकर परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया। आवेदक जगदीश पुत्र स्व0 कबीर दास थाना क्षेत्र भरतकूप ने थानाध्यक्ष महिला थाना के समक्ष प्रार्थना पत्र दिया कि मेरी पत्नी सुशीला जो 3 वर्षों से अपने मायके में रह रही है बुलाने पर घर न आने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र दिया गया था। थानाध्यक्ष महिला थाना नीलम देवी एवं उनकी टीम ने शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें महिला थाने पर बुलाया तथा दोनों पक्षों को समझाया। पति-पत्नी आपसी सुलह होने पर दम्पत्ति जोड़े को एक दूसरे के साथ-साथ आपस में सामन्जस्य बिठाकर एवं परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने के लिए सलाह दी। समझौता कराने वाली टीम में महिला मुख्य आरक्षी लता त्रिपाठी व दीपिका सिंह शामिल रही।

तीन गैंगेस्टरो को दस-दस वर्ष का कठोर कारावास

चित्रकूट। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी संगीता सिंह ने बताया कि न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश/एफटीसी न्यू रवि कुमार दिवाकर ने गैंगेस्टर एक्ट अभियुक्त अखिलेश कुमार उर्फ कुमकुम उपाध्याय पुत्र राधेकृष्ण उपाध्याय निवासी नहरा, रमेश यादव पुत्र सुखनन्दन यादव निवासी ओरा, गिरीश मौर्या पुत्र बेनी प्रसाद मौर्या निवासी तौरा को 10-10 वर्ष का कठोर कारावास और 20-20 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार पाठक ने आरोपी अखिलेश कुमार उर्फ कुमकुम उपाध्याय पुत्र राधेकृष्ण उपाध्याय निवासी नहरा थाना पहाड़ी, रमेश यादव पुत्र सुखनन्दन यादव निवासी ओरा थाना पहाड़ी, गिरीश मौर्या पुत्र बेनी प्रसाद मौर्या निवासी तौरा थाना पहाड़ी के विरुद्ध थाना पहाड़ी में गैंगेस्टर एक्ट पंजीकृत कराया गया था। मुकदमें की विवेचना तत्कालीन निरीक्षक गोपाल चन्द्र कनौजिया ने की। विवेचक ने 18 फरवरी 2019 को आरोपियो के विरुद्ध आरोप-पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया था।

वारंटी गिरफ्तार

चित्रकूट। प्रभारी निरीक्षक बरगढ़ शिवआसरे के मार्गदर्शन में एसआई राधेश्याम सिंह मय हमराह आरक्षी अमित दीक्षित ने वारंटी अभियुक्त महेन्द्र कुमार कोल पुत्र धीरजधर कोल उर्फ धीरा निवासी मुरका थाना बरगढ़ को गिरफ्तार किया है।

सब्जी मंडी को मराठी हनुमान मंदिर के पास स्थापित करने के संबंध मे सांसद प्रतिनिधि ने डीएम को दिया आवेदन

कबरई महोबा संवाददाता राम लखन सोनी । पिछले दिनों जिलाधिकारी महोदय ने व्यापार मंडल कबरई की मांग पर कबरई में सब्जी मंडी का बाजार छंगा तिराहा से हटाकर कालशाहा बाबा गेस्ट हाउस के पास लगाए जाने के आदेश किए गए थे लेकिन कलशाहा बाबा कबरई में जिस जगह सब्जी मंडी लगाने का स्थान निर्धारित किया गया है उस जगह की रास्ता बीच आबादी तथा कानपुर सागर हाईवे के मुख्य सड़क से जुड़ी हुई है रास्ता बहुत ही चढ़ाई दार एवं बहुत ही सकरा है जिससे बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जिससे लोगों को अपने साधनों और आने जाने में समस्या उत्पन्न हो रही हैं जिससे मेन हाईवे में जाम की समस्या भी हो सकती है इससे पहले सब्जी मंडी लगने की जगह छंगा तिराहा से मनीषा टॉकीज के बीचो-बीच खनन कारोबार होने तथा ट्रकों की आवाजाही की वजह से बदला गया था।

कुछ सब्जी व्यापारियों एवं कस्बा वासियों की मांग है कि कस्बा कबरई में सब्जी मंडी को इन दोनों पूर्व निर्धारित जगह से हटाकर मराठी हनुमान मंदिर के पास नगर पंचायत कबरई की जगह पर लगाए जाने के आदेश किया जाना आवश्यक है। इससे ना तो कोई दुर्घटना घटित होगी और ना ही जाम की समस्या उत्पन्न होगी। इस विषय में सांसद प्रतिनिधि द्वारा आज बुधवार को जिलाधिकारी महोदय को लिखित पत्र देकर निवेदन किया गया मौके से मौजूद कुछ सब्जी विक्रेता तथा सांसद प्रतिनिधि तरुण राजपूत समाजसेवी आकाश पाठक और दीपू शर्मा, अनुज अवस्थी, शिवम पाठक आदि व्यापारी मौजूद रहे।

श्री राम सेवा समिति द्वारा गणेश विसर्जन पर किया गया मिष्ठान वितरण

गुरसरांय(झांसी)। 3 सितंबर बुधवार को गणेश विसर्जन के अवसर पर भस्नेह बांध पर श्री राम सेवा समिति उत्तर प्रदेश एवं विश्व हिंदू परिषद के तत्वाधान में भगवान गणेश जी महाराज के हजारों की संख्या में भक्तों को मिष्ठान वितरण किया गया। इस अवसर श्री राम सेवा समिति के अध्यक्ष एडवोकेट समाजसेवी सतीशचन्द्र चौरसिया ने कहा कि इस तरह के कार्य करने से आत्मा प्रसन्न होती है। भक्तों की सेवा करने पर हम सभी अपने आप को खुशनसीब मानते हैं। इसलिए हम सभी को ईश्वर के बताए हुए मार्ग पर चलना चाहिए। तभी हम सभी का कल्याण होगा इस मौके पर आत्माराम फौजी,रामनारायण पस्तोर,साहब सिंह यादव, अशोक कुमार मिश्रा अवधेश सिंह फौजी,रामदीन पटेल,महेंद्र फौजी,अभिलाष सिंह अब्बू,मुखिया चरण सिंह बाबूजी, अखिलेश तिवारी अरुण चतुर्वेदी,राज ठाकुर रानापुरा,वसंत मोदी,देवेंद्र पटेल,पुष्पेंद्र पाराशर,आशिक खान आरओ,अमर सिंह अस्ता,आनंद पाराशर,गुलाब राय शर्मा,हरिशचन्द्र नायक,आयुष त्रिपाठी,कार्तिक पाठक,जयप्रकाश बरसिया,संतोष मेहतै,जगदीश आर्य सहित हज़ारों की संख्या में भक्त उपस्थित उपस्थित रहे।

सिद्धि विनायक मंदिर पर हुए कार्यक्रम

गुरसराय। धनाई मुहल्ला के सिद्धि विनायक मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम से श्रोता भाव विभोर हुए। आचार्य ब्रजेन्द्र शुक्ला द्वारा विधिवत पूजन कराया गया।देवेंद्र यादव दिव्वन ने आरती की। कार्यक्रम में सीताराम,भानुप्रताप सिंह,दीवान सिंह ने भजन प्रस्तुत किये। आरती में कस्बा इंचार्ज ,नितुल व्यास,रामेश्वर गुप्ता, संतोष गुप्ता घी वाले आदि उपस्थित रहे

दस लक्षण पर्यूषण महापर्व उत्तम तप धर्म के पावन अवसर पर नसिया जी मंदिर में हुआ मुनि सुब्रतनाथ भगवान का महामस्तिका अभिषेक

गुरसरांय । आज दस लक्षण पर्यूषण महापर्व के सातवें दिन उत्तम तप धर्म के अवसर पर नसिया जी में बड़ी ही भक्ति भाव श्री 1008 मुनि सुब्रतनाथ भगवान का महा मस्तिका अभिषेक किया दस लक्षण महापर्व के दिनों में दिगंबर जैन समाज के लोग अपने कर्मों की निर्जरा करने के लिए बड़ी ही भक्ति भाव के साथ पूजन विधान एवं एकासान,निर्जला उपवास करके अपने कर्मों की निर्जरा करते हैं दिगंबर जैन समाज दस लक्षण पर्यूषण महापर्व वर्ष में तीन बार आते हैं लेकिन भादो मास के दस लक्षण पर्यूषण महापर्व को बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है आज उत्तम तप धर्म के अवसर पर प्रथम अभिषेक सचिन जैन साइकिल एवं सीमित जैन भैया फतेहपुर वालों ने तत्पश्चात शांतिधारा करने का सौभाग्य सचिन जैन साइकिल छोटू लंबरदार, सीटू जैन,सीमित जैन भैया,को प्राप्त हुआ एवं सचिन जैन साइकिल वालों की ओर से नसिया जी मंदिर को शांति धारा करने वाली? झारी एवं चमर भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ राजेश कुमार जैन घुरईया वालों,को छात्र भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ वह मौजूद सभी पुजारी ने भगवान का प्रक्षाल अभिषेक किया इस अवसर पर राजेंद्र कुमार जैन नुनार,शिखर चंद्र जैन करगुवां,राजकुमार जैन सिमरा, प्रदीप जैन करगुवां, बंटू जैन चाट वाले,रितिक जैन सुट्टा, प्रशांत जैन, छोटू लंबरदार,प्रथम जैन सरसेडा एडवोकेट, पूर्व पार्षद रविंद्र जैन सीटू,अभिषेक जैन घुरईया, राहुल जैन नुनार,अनंत जैन नुनार,दीपक जैन नुनार, सुभाष जैन भदरवारा, छोटू जैन भदरवारा, राकेश जैन करगुवां, स्वाति जैन,प्रभा जैन,सुमन बहन जी,रानी जैन सुट्टा,स्वाति जैन टोडी फतेहपुर,चंद्रावती बहन जी,अनीता जैन भदरवारा,सरोज जैन,कुडयाला,रेखा जैन नुनार,मीना जैन घुरईया क्यारा जैन इन सभी लोगों ने बड़ी भक्ति भाव के साथ भक्ति पूजन किया

हिन्दुत्व सुरक्षा सेना के राष्ट्रीय महामंत्री बनाए गए अनुराग पालीवाल

कबरई महोबा संवाददाता राम लखन सोनी। हिन्दुत्व सुरक्षा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अंकित पाठक द्वारा कबरई कस्बा निवासी अनुराग पालीवाल को हिन्दुत्व सुरक्षा सेना का राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए कहा है की संगठन को आगे बढ़ाने की दिशा में जिस प्रकार से अनुराग पालीवाल कार्य कर रहे थे उसी को देखते हुए उन्हें आज राष्ट्रीय महामंत्री के पद पर नियुक्त किया गया है उन्हें आशा है की वह आगे भी संगठन के विचारों के हिसाब से कार्य करेंगे वहीं नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा की संगठन ने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है जिसको वह बखूबी निभाएंगे हमेशा ही संगठन की मजबूती के लिए कार्य करेंगे तथा संगठन के द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों का वह पालन करेंगे उनका मुख्य फोकस संगठन के विस्तार करने के साथ हिन्दुओं की सुरक्षा करना है।

मंडल अध्यक्ष आशीष खरे की दादी एवं कालका चौरसिया के निधन पर शोक सभा सम्पन्न

गुरसरांय (झांसी)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार एवं श्रीराम सेवा समिति उत्तर प्रदेश रजिस्टर्ड के तत्वावधान मे एक शोक श्रद्धांजलि सभा गायत्री परिवार के संयोजक एवं श्रीराम सेवा समिति के अध्यक्ष सतीश चंद्र चौरसिया एडवोकेट की अध्यक्षता एवं रामनारायण पसतोर प्रबंधक के संचालन में संपन्न हुई । शोक सभा में संतोष खरे की माता जी व मंडलाध्यक्ष आशीष खरे की दादी श्रीमती कमलेश श्रीवास्तव एवं मनोहर लाल चौरसिया के छोटे भाई व विष्णु के पिताजी कालका प्रसाद चौरसिया के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया गया! बैठक में मृत आत्माओं की शांति हेतु गायत्री महामंत्र का मोन मानसिक जाप किया गया तथा इस संकट की घडी पर परिवारजनों को धैर्य धारण हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई। शोक सभा मे प्रदीप कोठारी अवधेश सिंह फोजी जगराम सिंह रमेश चन्द्र सोनी रज्जू विलैया बसंत कुमार मोदी अलख प्रकाश शर्मा लक्ष्मी नारायण पटवा हरिओम अग्रवाल लाल जी खरे डॉक्टर मैथिलीशरण गुप्ता ब्रजेश सिंह परमानंद कुशवाहा किशोरी लाल विश्वकर्मा चंद्रभान साहू प्रमोद वर्मा राम कुमार कुशवाहा शंकरलाल नामदेव जगराम सिंह प्साहब सिंह यादव. अमर सिंह आत्माराम फौजी. अशोक मिस्रा. देवेंद्र पटेल. महेंद्र सिंह फ़ौजी जयप्रकाश वरसईया संतोष सिंह महते. रामदीन पटेल. अखिलेश तिवारी श्याम सिवहरे अभिलाष सिंह . पुष्पेंद्र पारासर रामेश्वर आर्या आदि उपस्थित रहे! इसी क्रम में चंद्रप्रकाश चौरसिया की अध्यक्षता में हुई शोक सभा मे रमाशंकर गौतम, जिनेन्द्र जैन,अशोक मिश्रा,गोविंद बल्लभ खरे,अबधेश खरे,ब्रजेन्द्र खरे,रमेश खरे आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया।

उत्कृष्ट कार्य हेतु उत्तर प्रदेश के मुख्य महाप्रबंधक ने सतीश चौरसिया का किया सम्मान

गुरसराय (झाँसी) उत्तर प्रदेश के मुख्य महाप्रबंधक दीपक कुमार दे एसबीआई लखनऊ द्वारा झाँसी में आयोजित एक कार्यक्रम में उत्कृष्ट व्यापारिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए सतीश चंद्र चौरसिया को प्रशस्ति पत्र एवं पट्टिका उड़ाकर सम्मानित किया गया अध्यक्ष के सम्मान होने पर श्रीराम सेवा समिति के पदाधिकारियों में खुशी की लहर दौड़ गई इसी को लेकर श्री राम सेवा समिति के तत्वाधान में सिंह वाहिनी सभागार में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रदीप कोठारी ने की बैठक में श्री राम सेवा समिति के अध्यक्ष एवं गायत्री परिवार के प्रमुख सतीश चंद्र चौरसिया एडवोकेट का उत्कृष्ट कार्य करने हेतु समिति के पदाधिकारी द्वारा फूल मालाओं एवं सॉल उड़ाकर सम्मान किया एवं मिष्ठान व फल का वितरण किया गया इस मौके पर समिति के प्रवंधक रामनारायण पसतौर अवधेश सिंह फौजी डॉक्टर अशोक मिश्रा द्वारा विचार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री राम सेवा समिति के द्वारा हमेशा ही अच्छे कार्य किया जा रहे हैं और आगे भी समाज हित देशहित में कार्य किए जाएंगे इन सभी को देखते हुए ही उत्तर प्रदेश के मुख्य महाप्रबंधक लखनऊ द्वारा चौरसिया जी का सम्मान किया गया यह हम सभी को गर्व की बात है अध्यक्षता कर रहे प्रदीप कोठारी ने कहा जो जैसा करता है उसका पैसा ही परिणाम शीघ्र प्राप्त होता है कार्यक्रम का संचालन आत्माराम फौजी ने किया इस मौके पर प्रबंधक रामनारायण पासतौर साहब सिंह यादव अवधेश सिंह फौजी रामदीन पटेल अशोक कुमार मिश्रा महेंद्र फौजी अभिलाष सिंह अब्बू मुखिया चरण सिंह बाबूजी अखिलेश तिवारी अरुण चतुर्वेदी राज ठाकुर रानापुरा वसंत मोदी देवेंद्र पटेल पुष्पेंद्र पाराशर गुलाब राय जयप्रकाश बरसिया संतोष मेहतै श्याम शिवहरे जगदीश आर्य सहित तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे अंत में रामदीन पटेल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अशोक पब्लिक स्कूल में साइबर जागरुकता कार्यक्रम संपन्न

चित्रकूट। साइबर क्राइम मुख्यालय की मंशानुरुप प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को साइबर जागरुकता कार्यक्रम बुधवार को थाना साइबर क्राइम प्रभारी निरीक्षक रीता सिंह, आरक्षी रामविलास यादव, आरक्षी शिवम द्विवेदी व महिला आरक्षी शशि ने अशोक पब्लिक स्कूल खोह में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मेला जलविहार समिति ने किया श्री गणेश प्रतिमाओं एवं भगवान के विमानों का स्वागत, की गई पूजा, बरसाए गए फूल

झांसी जयूसं। आज डोल ग्यारस पर गंधीगर का टपरा पर मेला जल विहार समिति झांसी ने मंदिरों के विमानों का भव्य स्वागत किया। आकर्षक सिंहासनों पर विराजमान देवताओं की विधि विधान से पूजा व वंदना की गयी। विसर्जन के लिए जा रही गणेश प्रतिमाओं की शोभा यात्रा का स्वागत किया गया। शाम को गंधीगर का टपरा पर सभी मंदिरों के गाजे बाजे के साथ विमान एकत्रित हुए। भगवान के दिव्य विग्रह की पूजा की। पुष्प वर्षा की गयी। इसके साथ मंदिरों के विमान नगर में भ्रमण कर जल विहार के लिए लक्ष्मी तालाब के लिए रवाना हुए । पहला विमान का पूजन अर्चन शहर कोतवाल ने किया ! रात्रि में चाचर न्रत्य का मोहक प्रर्दशन हुआ। जिन्हें समिति की ओर से पुरष्कार दिये गये। इस दौरान मेला जलविहार कमेटी अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ,महामंत्री पियूष रावत , नगर धर्माचार्य पंडित हरिओम पाठक, सांसद अनुराग शर्मा, विधायक रवि शर्मा,प्रदीप जैन आदित्य,पवन गौतम ,संजीव श्रृंगीऋषि,महेश श्रॉफ,रोहित पांडे ,गोकुल दुबे, सीताराम यादव, मुकेश सोनी, अरविंद झा, सुनीता सत्येंद्र पुरी गोस्वामी, अमितचिरवरिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम स्वामी, प्रदीप नगरिया, आलोक चतुवेर्दी ,उपाध्यक्ष विनोद अवस्थी ,जगदीश प्रसाद गुप्ता, अतुल किल्पन, कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट अजय मिश्रा ,कोषाध्यक्ष अभिषेक साहू, पवन गुप्ता ,जयदीप खरे,नरेश सिंह ऋषि ,एडवोकेट समीर तिवारी ,प्रभात शर्मा ,संजीव तिवारी , अतुल मिश्रा ,एडवोकेट नरेंद्र अग्रवाल, विकास अवस्थी सूर्यप्रकाश अग्रवाल,पुरुकेश अमरया,राहुल साहू ,एडवोकेट हेमंत राव आदि उपस्थित रहे। जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन नगर निगम का जो सहयोग पुरे कमेटी को मिला उसके लिए सभी कमेटी की ओर से वह मेला जलविहार अध्यक्ष वा महामंत्री की ओर से सबको धन्यवाद पीयूष रावत ने आभार व्यक्त किया।

इको फ्रेंडली गणपति बप्पा का धूमधाम से किया विसर्जन

महारानी लक्ष्मी बाई जूनियर हाई स्कूल के बच्चों ने बड़े ही धूमधाम से इको फ्रेंडली गणपति बप्पा का प्रथम बार विसर्जन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य माला मेहरोत्रा ने की, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महारानी लक्ष्मीबाई जूनियर हाई स्कूल के अध्यक्ष श्री संजय पटवारी जी, विशिष्ट अतिथि प्रबंधक श्री के के गुप्ता जी, उप प्रबंधक धर्मेंद्र कुशवाहा जी, श्रीमती मीनू शर्मा ने दीप प्रचलित कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया।

बच्चों ने तबले पर हारमोनियम, ढोलक एवं मंजिरे पर बहुत ही सुंदर गणेश जी की आरती की प्रस्तुति करी। बच्चों के बीच मोदक बनाने की प्रतियोगिता कराई गई और उच्चतम बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सोनिया नायक एवं आभार गगनदीप ने किया।

टेलीविजन, मोबाइल के बढ़ते प्रभाव के कारण बच्चों में धर्म के प्रति जागरूकता पैदा करने की बताई नितांत आवश्यकता

भगवान श्री गणेश के वैवाहिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत हल्दी, मेंहदी, बारात, वरमाला व अन्य कार्यक्रमों के बाद विदाई तक रस्मों का किया मंचन

झांसी जयूसं। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अशोक सनफ्रान सिटी में महिला मंडल द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमा की स्थापना की गयी। इस अवसर पर पंडाल में महिला मंडल द्वारा भगवान श्री गणेश के विवाह समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने शानदार अभिनय कर मन मोह लिया। गौरी गणेश को प्रथम पूज्यनीय क्यों माना जाता है इस प्रसंग का मंच पर बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया इसके बाद भगवान श्री गणेश के विवाह कार्यक्रमो के अन्तर्गत हल्दी, मेंहदी, बारात का स्वागत, वरमाला व अन्य कार्यक्रमों के बाद विदाई तक रस्मों का मंचन किया गया। मंत्रोच्चारण व रस्में पंडित भगवत शरण शास्त्री ने पूर्ण कराई।भगवान श्री गणेश की भूमिका में हर्षवर्धन सिंह, रिद्धि -सिद्धि की भूमिका में रिद्धि तिवारी व प्रियम पांडेय, सम्राट यादव -आदि देव महादेव, पूनम सिंह - पार्वती जी, सिद्धार्थ यादव -स्वामी कार्तिकेय जी,विराज यादव -नारद मुनि,शिवन्या यादव - माता तुलसी, विनायक - मूषक राज के अलावा देवी - देवताओं की भूमिका वर्धन रिछारिया,शिवान्या व अनायरा व्यास ने निभाई।आयोजन मंडल के अनुसार इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भगवान श्री गणेश के विवाह के साथ ही उन्होंने प्रथम पूज्यनीय क्यों माना जाता है ऐसे प्रसंगों की जानकारी व धर्म के प्रति जागरूकता विशेष कर बच्चों में धार्मिक भावनाओं का संचार करना है, क्योंकि आधुनिकता के दौर में टेलीविजन और मोबाइल के बढ़ते प्रभाव के कारण धर्म के प्रति जागरूकता पैदा करने की नितांत आवश्यकता है।

कार्यक्रम में साधना व्यास, वंदिता अग्रवाल, नीलम सिंह,निशी चौरसिया,अंकिता गुप्ता, अनीता वर्मा,उषा नायक, उमा समेले, गीता पाण्डेय, सीमा गौर, आशा गुप्ता, मीरा सचान, आशा निरंजन, संतोष तोमर ,पार्वती अग्रवाल, सुनीता यादव, सरिता पाराशर आदि का विशेष सहयोग रहा इस अवसर पर महिला मंडल की समस्त पदाधिकारी व अन्य उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में झांसी में एमओयू हस्ताक्षरित 93 इकाइयों में शुरू हुआ उत्पादन

झांसी जयूसं। उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान जनपद झांसी में हस्ताक्षरित हुए 284 एमओयू में से 93 इकाइयों द्वारा कॉमर्शियल प्रोडक्शन प्रारम्भ हो गया है। इन इकाइयों में प्रोडक्शन की शुरुआत हो जाने से झांसी जनपद में 8218 लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। योगी सरकार इस बात पर जोर दे रही है कि इन्वेस्टर्स समिट में हस्ताक्षरित सभी एमओयू को क्रियान्वित करते हुए उनमें प्रोडक्शन की शुरुआत की जाए। इन्वेस्टर समिट के बाद झांसी जनपद में स्थापित इकाइयों में क्रशर आधारित इकाइयां, पर्यटन आधारित इकाइयां, मेडिकल उपकरण आधारित इकाइयां समेत कई तरह की इकाइयां स्थापित की गई हैं। इनके माध्यम से एक ओर झांसी जनपद में निवेशकों का आगमन हुआ है तो दूसरी ओर बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। उम्मीद है कि एमओयू आधारित अन्य इकाइयां स्थापित होने के बाद रोजगार के अवसरों में बढ़ोत्तरी होगी।

निवेशकों की समस्याओं को दूर कर उनकी इकाइयों को स्थापित कराने और उत्पादन शुरू कराने के में प्रशासन द्वारा मदद की जा रही है। उपायुक्त उद्योग मनीष चौधरी ने बताया कि एमओयू हस्ताक्षरित इकाइयों को धरातल पर उतारने के लिए पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। इकाइयों में उत्पादन शुरू होने से जनपद में रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

कांग्रेसियों ने मनाई पूर्व मुख्यमंत्री कमलापत तिवारी की जयंती साथ ही संपन्न हुई कांग्रेस की मासिक बैठक

झांसी जयूसं। आज झांसी में शहर कांग्रेस कार्यालय में शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज गुप्ता की अध्यक्षता में मासिक बैठक संपन्न हुई उक्त अवसर पर शहर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने कहा कि जिस तरह से हम सब के नेता आदरणीय राहुल गांधी बिहार में लगातार वोट चोरी के खिलाफ यात्रा निकाल रहे हैं तो हमें भी चाहिए कि हम सब अपने क्षेत्र में वोट चोरी की संघर्षशील लड़ाई लड़ें और साथ ही साथ झांसी विधानसभा में लगभग 405 बूथ हैं उनकी कमेटियां तैयार करें जिससे कि एक विशाल संख्या में कार्यकर्ता कांग्रेस पार्टी से जुड़े और आने वाले 2027 में मजबूती के साथ हम विधान सभा चुनाव लड़कर झांसी में अपना विधायक बनाकर इतिहास रच सकें पूर्व मेयर प्रत्याशी अरविंद बबलू ने कहा कि हम सबको धरातल पर उतरकर काम करने की जरूरत है और जल्द से जल्द अपने अपने क्षेत्र की बूथ कमेटियां बनाएं जो की प्रदेश कार्यालय लखनऊ भेजी जा सके। उक्त अवसर पर भरत राय अरविंद बबलू राजकुमार सेन अशोक कंसोरिया प्रवेश सचान हरिओम श्रीवास पार्वती चौधरी रामकृष्ण कुशवाहा वीरेंद्र कुशवाहा डॉ काशीराम भिटौरिया एम सी वर्मा शाहनवाज खान राजकुमार फौजी सुरेंद्र श्रीवास संजीव गुप्ता पवन तिवारी मनोज सोनी रोहित मिश्रा रफीक रोबिश खान रशीद मंसूरी साबिर अब्बास विवेक गुप्ता हरिओम बृजवासी बृजमोहन बृजवासी करुणा निधि शर्मा अमित अग्रवाल वीरेंद्र झा कालीचरण दिनेश कुमार वर्मा प्रवेश यादव राम जी शरण संकल्प अग्रवाल दुर्गा इस्लाम खान शैलेश चतुर्वेदी अशोक कौशल सोहन तिवारी अशोक कौशल कुलदीप सोनी हेमंत अतर सिंह बाल्मीकि मेवालाल भंडारिया स्टेला मसीह मानवेंद्र सिंह यादव पवन समेत अनेकों कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

क्वालिटी खराब हुई तो होगी कार्रवाई : डीएम

- विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में महिला छात्रावास निर्माण कार्य की कमेटी करेगी जाँच, तीन सदस्यीय कमेटी गठित, प्रत्येक फ्लोर की होगी जाँच देंगी रिपोर्ट

झांसी जयूसं। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने कलैक्ट्रेट नवीन सभागार में 50 लाख एवं उससे अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं का सत्यापन एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यदाई संस्थाओं को आड़े हाथों लिया। उन्होंने अनुबंध के अनुसार कार्य पूर्ण होने की तिथी तक कार्य पूर्ण न करने पर समस्त कार्यदायी संस्थाओं को शो-कॉज नोटिस जारी किया। बैठक में 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाएं (सड़कों को छोड़कर) एवं 50 लाख से अधिक लागत की सड़क परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने यू.पी. प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा निर्माण कार्यो की गुणवत्ता संतोषजनक न होने पर नाराजगी व्यक्त की, उन्होंने विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में 200 बेड महिला छात्रावास के निर्माण कार्य की कमेटी गठित कर जांच की आदेश दिए। उक्त कार्य के लिए प्रत्येक फ्लोर की अलग-अलग टीम करेगी जांच। उन्होंने संस्था द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज चकारा के पुनर्निर्माण/जीर्णोद्धार के कार्य की भी जाँच के दिए आदेश। उन्होंने कचीर-मझगवाँ (राठ-गरौठा) के मध्य धासान नदी पर सेतु पहुँच मार्ग की समीक्षा करते हुए तत्काल सेतु निगम को कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा टोड़ी फतेहपुर से रजवाहा संपर्क मार्ग की जानकारी ली, झांसी में डिमरौनी अन्य जिला मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण की जानकारी लेते हुए गुणवत्ता पर फोकस किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद, प्रभागीय वनाधिकारी नीरज कुमार आर्या, प्रधानाचार्य मेडिकल कालेज डॉ. मयंक सिंह, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, पीडी डीआरडीए राजेश कुमार, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग नीरज गुप्ता, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग दीपांकर चौधरी, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग संदीप शर्मा, सहायक अभियंता आईएएस तीर्थराज यादव सहित विद्युत विभाग,पर्यटन विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस महकमे में फेरबदल, कई निरीक्षक व उपनिरीक्षक के बदले कार्यक्षेत्र

झाँसी जयूसं। जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने कई निरीक्षकों व उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है।

आदेश के अनुसार निरीक्षक सुरेश कुमार को प्रभारी निरीक्षक टहरौली से से स्थानांतरित कर प्रभारी निरीक्षक डीसीआरबी बनाया गया है, वहीं निरीक्षक मुकेश कुमार सिंह को प्रभारी डीसीआरबी से प्रभारी निरीक्षक टहरौली की जिम्मेदारी दी गई है। इसी प्रकार उपनिरीक्षक किरन रावत को थानाध्यक्ष महिला थाना से हटाकर वरिष्ठ उपनिरीक्षक सीपरी बाजार भेजा गया है, जबकि उपनिरीक्षक रजनी वाला को थाना सदर बाजार से हटाकर थानाध्यक्ष महिला थाना नियुक्त किया गया है। इसके अलावा उपनिरीक्षक नीलेश कुमारी को थाना एरच से वरिष्ठ उपनिरीक्षक प्रेमनगर भेजा गया है तथा उपनिरीक्षक उदय प्रताप सिंह को पुलिस लाइन से वरिष्ठ उपनिरीक्षक एरच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह सभी तबादले तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

अखिल भारतीय विराट विमान सम्मेलन का हुआ उद्घाटन

झाँसी जयूसं। श्री गहोई वैश्य नवयुवक सेवा मंडल मऊरानीपुर के तत्वाधान में बुंदेलखंड के ऐतिहासिक प्रांतीय मेला जलविहार महोत्सव में आयोजित 42वें अखिल भारतीय विराट विमान सम्मेलन का उद्घाटन 2 सितंबर को हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन करने मुख्य अतिथि के रूप में संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक डॉ. संदीप सरावगी,एमएलसी रामतीर्थ सिंघल, प्रदीप कुचया व विशिष्ट अतिथि सीताराम बिलगाईयां, अरविंद रावत, राकेश रखोल्या, अजीत गुप्ता उपस्थित रहे। अतिथियों का तिलक व माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया गया तत्पश्चात गौ सेवा आयोग के प्रदेश अध्यक्ष श्याम जी गुप्ता एवं सेवा संस्थान के संस्थापक अशोक कष्ट बार द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन हुआ। इस आयोजन में दूर दराज के ग्रामीण अंचलों से आए हुए विमानों पर प्राण प्रतिष्ठित देव की प्रतिमाओं के दर्शन एवं विहार की व्यवस्था है। इस आयोजन में मेले के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है 2 सितंबर से प्रारंभ होने वाला यह सम्मेलन 6 सितंबर को समाप्त होगा। प्रतिदिन अलग-अलग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दूर दराज से आए कलाकारों द्वारा दी जाएगी। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोग एकत्रित होते हैं कार्यक्रम को सफल बनाने श्री गहोई वैश्य नवयुवक सेवा मंडल कार्यकारिणी से विशाल मोर, अतुल कनकने, अंशुल कनकने, उत्कर्ष सरावगी-अध्यक्ष, अश्विनी-महामंत्री,अभिषेक-कोषाध्यक्ष, शिवम मोर, नैतिक, साकेत पहारिया सह कोषाध्यक्ष, रामू सुहबे, विजय मोर कनिष्ठ मंत्री का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर संघर्ष सेवा समिति से अनुज प्रताप सिंह, संदीप नामदेव, बसंत गुप्ता, दीक्षा साहू, राजू सेन, शशांक गुप्ता, राहुल रायकवार, महेंद्र रायकवार आदि उपस्थित रहे।

अतिशय क्षेत्र करगुवा जी में धूमधाम से मनाया दसलक्षण महापर्व

तप धर्म संसार में सबसे महत्वपूर्ण धर्म : शास्त्री

झाँसी जयूसं। अति प्राचीन तीर्थ क्षेत्र करगुवां जी में आज दसलक्षण महापर्व का सातवां दिन उत्तम तप धर्म बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया सुबह 7:30 बजे से अभिषेक शांति धारा पूजन विधान किया गया प्रथम शांति धारा करने का सौभाग्य अतिशय क्षेत्र करगुवा जी मंत्री शिरोमणि जैन द्वितीय शांति धारा करने का सौभाग्य सिद्धार्थ जैन , शाश्वत जैन संजय जैन,अमित जैन प्रधान,मिलप चंद्र जैन ,मीनल जैन,सुनील कुमार जैन , अमित कुमार जैन को प्राप्त हुआ तत्पश्चात धर्म सभा को संबोधित करते हुए सांगानेर से पधारे पंडित आदि जी शास्त्री ने उत्तम तप धर्म के बारे में बताते हुए कहा तप धर्म संसार में सबसे महत्वपूर्ण धर्म है। इच्छाओं के निरोध को तप कहते हैं विषय कषायो का निग्रह करके बारह प्रकार के तपों में चित्त लगाना उत्तम तप धर्म है तप धर्म का मुख्य उद्देश्य चित्त की मलिन वृत्तियो का उन्मूलन है अतिशय क्षेत्र करगुवा जी स्थित सभी वेदियो पर सामूहिक पूजन किया गया जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य सुधीर कुमार जैन, सिविल लाइन दिगंबर जैन पंचायत समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष जैन , करणस्थली चंद्रोदय तीर्थ मंत्री राजकुमार जैन ,विधिक सलाहकार अशोक जैन , जितेंद्र जैन, विजय जैन , वीरेंद्र जैन ,संजय जैन , सत्यजीत जैन संतोष जैन ,विकास जैन, दीपक जैन वैध , दीपक जैन , नरेंद्र कुमार जैन ,अरविंद जैन वैध ,अंकित जैन, श्रीमती रजनी जैन ,श्रीमती कामना जैन, रजनीश जैन ,डॉ.अभिषेक जैन, अशोक जैन , डॉ.अमित जैन ,सनत जैन ,लाल , नरेंद्र जैन ,फूलचंद जैन ,कुमारी मीनल जैन, मानसी जैन, श्रीमती राजकुमारी जैन, राजकुमार जैन,श्रीमती प्रीति शिरोमणि जैन, दीक्षा रोहन जैन,श्रीमती इंद्रा जैन ,पंडित आदि जी शास्त्री, ऋषभ जैन ,अनिल कुमार जैन , अजय जैन ,सुनील जैन ,दाऊ जैन किरण जैन ,पंडित स्वप्निल , प्रेरणा जैन , राजेंद्र जैन ,मयंक जैन ,प्रिया जैन ,आयुष जैन ,श्रीमती नीलम जैन ,डॉ. कैलाश जैन ,विष्णु जैन ,बाहुबली जैन, अरविंद जैन ,ममता जैन ,बृजेश जैन आदि परिवारों ने सामूहिक पूजन विधान किया शाम 7:00 बजे से भव्य संगीत में आरती करते हुए सभी लोग भक्ति में झूम उठे पंडित आदि जी शास्त्री ने धर्म सभा को संबोधित किया तत्पश्चात संस्कृतिक कार्यक्रम मेरी किस्मत तेरे हाथ तेरी किस्मत मेरे हाथ संपन्न कराई गई, जिसमें सभी लोग बहुत आनंदित और उत्साह पूर्वक खेले। इस अवसर पर श्रीमती प्रीति जैन ,श्वेता जैन ,शैली जैन, दयाक्षी जैन, रक्षिता जैन, रेखा जैन ,कल्पना जैन, किरण जैन ,ज्योति जैन, आरती जैन, रचना जैन, मानसी जैन, कल्पना जैन, कामना जैन ,आदि लोग उपस्थित रहे। संचालन दिगंबर जैन पंचायत समिति झाँसी के महामंत्री कमल जैन लोकपथ ने एवं सभी का आभार अतिशय क्षेत्र करगुवां जी मंत्री शिरोमणि जैन एडवोकेट ने किया ।

रेलवे कर्मचारियों की माँगों को लेकर रेलवे संगठनों ने जीएम को दिया ज्ञापन

झाँसी जयूसं। नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मैन्स यूनियन ने उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक से मुलाकात कर कर्मचारियों से जुड़ी 16 सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन सौंपा है। महाप्रबंधक ने इन मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए इनके जल्द समाधान का आश्वासन दिया है। यूनियन के मंडल सचिव, अमर सिंह यादव, और मंडल अध्यक्ष, भावेश प्रसाद सिंह, के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंडल रेल प्रबंधक, झांसी के कार्यालय में महाप्रबंधक से भेंट की। इस दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने विस्तार से कर्मचारियों के सामने आने वाली चुनौतियों और उनकी मांगों की गंभीरता को महाप्रबंधक के सामने रखा। वहीं, यूएमआरकेएस ने 18 सूत्रीय मांगों को लेकर जीएम को ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने वालों में जोनल अध्यक्ष हेमंत कुमार विश्वकर्मा, विभाग प्रमुख सी के चतुर्वेदी, राजेश कुमार ठकुरानी, मण्डल उपाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह चंदेल, मनीष वाजपेयी, दिलीप चिप्पा, अच्छे लाल, संजीव वर्मा, संतोष राठौर, नीरज श्रीवास्तव, धीरज परिहार, इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसी तरह एनसीआरईएस के नेताओं ने भी जीएम को ज्ञापन दिया।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी